पौष शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 168 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 12-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं को विदेश जाने की जरूरत नहीं : राजनाथ सिंह

6 कैप्टन उपमन्यु सिंहः हर मोर्चे पर हमेशा रहे आगे, हर चुनौती को स्वीकार किया

7 महाकुंभ : शिव तांडव स्तोत्र पर लाइव प्रस्तुति देंगी अदा शर्मा

फर्स्ट टेक

रूस के पक्ष में लड़ रहे उत्तर कोरिया के दो सैनिक पकड़े गए : यूक्रेन

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उनके देश की सेना ने उत्तर कोरिया के दो सैनिकों को पकड़ा है जो रूस के कुर्स्क सीमावर्ती क्षेत्र में रूसी सैनिकों के साथ मिलकर लड़ रहे थे। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कुछ दिनों पहले यूक्रेन ने अगस्त में कुर्स्क में कब्जाई गई जमीन को बरकरार रखने के लिए वहां नए हमले शुरू कर दिए थे। यूक्रेनी कार्रवाई के परिणामस्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार रूसी क्षेत्र पर कब्जा हुआ था। हालांकि रूस के पलटवार से यूक्रेन की सेना की हालत खराब हुई। रूसी सेना ने यूक्रेन के कब्जे में गये 984 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के 40 प्रतिशत हिस्से को फिर अपने कब्जे में ले लिया है।

शमी की 14 महीने बाद भारतीय टीम में वापसी, टी20 के लिए चुने गए

मुंबई/भाषा। करीब 14 महीने पहले अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई। शमी (34 वर्ष) ने भारत के लिए आखिरी मैच 19 नवंबर को अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में खेला था। इसके बाद वह टखने की चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रहे और इसके लिए उन्होंने पिछले साल सर्जरी करवाई थी। घुटने में सूजन के कारण शमी ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं हो सके। कोलकाता में 22 जनवरी से शुरू होने वाली शृंखला में सूर्यकुमार यादव 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे।

वेनेजुएला: निकोलस मादुरो ने विरोधों के बीच ली राष्ट्रपति के तौर पर शपथ

करकस/एपी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने शुक्रवार को नये कार्यकाल के लिए शपथ ली। मादुरो ने विरोध प्रदर्शनों और अमेरिका और अन्य देशों की आलोचनाओं के बीच राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। मादुरो के विरोधी उन पर पिछले साल हुए चुनावों में धांधली का आरोप लगाते हैं। मादुरो ने वेनेजुएला के विधान भवन में शपथ ली और एक जोशीला भाषण भी दिया। शपथग्रहण समारोह के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। शपथग्रहण के मौके पर आसपास की गलियों और पास के एक प्लाजा में लोगों की भारी भीड़ जमा थी, जिनमें से कई ने मादुरो के समर्थन में टी-शर्ट पहन रखी थी।

सनातन धर्म के लिए नई प्रेरणा का केंद्रबिंदु बनने वाला है श्रीराम मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **सत्य को अधिक दिनों तक धुंधला करके कोई नहीं रख सकता है। सत्य एक दिन उजागर होगा। देश-दुनिया सत्य के रूप में अयोध्या में राम जन्मभूमि पर प्रभु रामलला के भव्य मंदिर देख रही है।**

अयोध्या, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर सनातन धर्म के सभी स्थलों के लिए नई प्रेरणा का केंद्र बिंदु बनने वाला है। योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण- प्रतिष्ठा की पहली सालगिरह पर आयोजित प्रतिष्ठा द्वादशी कार्यक्रम के उपरांत अंगद टीले में एक समारोह में रामलला के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी रहे विश्व हिंदू परिषद (विहिप)के नेता अशोक सिंघल को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर योगी ने कहा, ''सत्य को अधिक दिनों तक धुंधला करके कोई नहीं रख सकता है। सत्य एक दिन उजागर होगा। देश-दुनिया सत्य के रूप में अयोध्या में राम जन्मभूमि पर प्रभु रामलला के भव्य मंदिर देख रही है।'' उन्होंने कहा कि प्रभु राम के भव्य मंदिर का निर्माण दुनिया में दबी-कुचली सभ्यता व संस्कृति के लिए संदेश भी है कि लोकतांत्रिक, संविधान सम्मत तरीके से अधिकार लिए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अयोध्या में राम जन्मभूमि के लिए हुए अनगिनत बलिदान व अग्निपरीक्षा के दौर से बार-बार गुजरने के बाद भी धैर्य न खोना इस अभियान का हिस्सा रहा है। विश्वास है कि हम सब इस पथ के अनुगामी बनेंगे।'' योगी ने कहा कि समाज बंटा था तो देवस्थान अपमानित हो रहे थे। उन्होंने आगाह किया ''जाति व अन्य वादों के आधार पर विभाजित रहेंगे तो अपमानजनक स्थितियों का निरंतर सामना करना पड़ सकता है। एकता के सूत्र में बांधने के लिए राष्ट्रीय एकात्मता के साथ कार्य करने के संकल्प के साथ हम जुड़ेंगे।''

डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी, ड्रोन देश के लिए बने हुए हैं चुनौती : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **सरकार ने न केवल मादक पदार्थों के कई नेटवर्क को खत्म करने में सफलता पायी है, बल्कि उनसे जुड़े आतंकवाद को भी नष्ट किया है।**

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और ड्रोन देश के लिए चुनौती बने हुए हैं और इनको लेकर सख्त कदम उठाने होंगे।

शाह ने 'मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर यहां एक क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए यह भी कहा कि राष्ट्र मादक पदार्थ की बिल्कुल भी तस्करी देश के अंदर या बाहर नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने न केवल मादक पदार्थों के कई नेटवर्क को खत्म करने में सफलता पायी है, बल्कि उनसे जुड़े आतंकवाद को भी नष्ट किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश में नार्को-आतंकवाद के कई मामलों का भंडाफोड़ किया गया है और ये बड़ी उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा, ''डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी, ऑनलाइन मार्केटप्लेस, ड्रोन का इस्तेमाल आज भी हमारे लिए चुनौती बना हुआ है।''

शाह ने कहा कि देश की सुरक्षा और विकास के लिए राज्यों और केंद्र सरकार तथा टेक्नोक्रेट के संयुक्त प्रयासों से इन समस्याओं का तकनीकी समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मादक पदार्थ के खिलाफ लड़ाई को नई ताकत मिली है। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में मादक पदार्थ की जब्ती में सात गुना वृद्धि हुई है जो एक बड़ी उपलब्धि है। मोदी सरकार ने सख्त कार्रवाई के जरिये मादक पदार्थ के पूरे तंत्र को नष्ट करने का कड़ा संदेश दिया है।''

गृहमंत्री शाह ने कहा कि 2024 में 16,914 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त करके देशभर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई की, जो नशा मुक्त समाज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, ''नशे की लत से ग्रस्त युवा पीढ़ी के साथ कोई भी देश विकास के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम सब मिलकर इस चुनौती से लड़ें और इस लड़ाई को जीतने के लिए हर संभव प्रयास करें।''

महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों की सुनवाई के लिए

तमिलनाडु में सात विशेष अदालतें गठित होंगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **प्रत्येक जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष समिति गठित की जाएगी, ताकि मामलों का शीघ्र निष्पादन हो।**

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों की सुनवाई के लिए सात विशेष अदालतें स्थापित करने और ऐसे मामलों को तेजी से निपटाने के लिए जिलों में एक पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष समिति बनाने की घोषणा की।

स्टालिन ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में यह भी कहा कि यौन अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए कैदियों की समय से पहले रिहाई की अनुमति न देने के लिए 'तमिलनाडु कारागार नियमावली' में उचित संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों से जुड़े मामलों की विशेष सुनवाई के लिए मदुरै, तिरुनेलवेली, कोयंबटूर, सेलम, तिरुचिरापल्ली, चेन्नई और चेन्नई उपनगरों में विशेष अदालतें स्थापित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आपराधिक मामलों के संबंध में प्रत्येक जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष समिति गठित की जाएगी, ताकि मामलों का शीघ्र निष्पादन हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार में पुलिस विभाग स्वतंत्र रूप से काम कर रहा है, उपद्रवी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और बड़े पैमाने पर अपराधों को रोका गया है। उन्होंने कहा, अगर कोई अपराध होता है, तो आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाता है। किसी भी आरोपी को कोई नहीं बचाता। अपराध करने वालों को उचित और कठोर सजा दिलाई जा रही है।

तमिलनाडु विधानसभा ने दिसंबर 2024 में यहां एक विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा से यौन उत्पीड़न के मामले की पृष्ठभूमि में दुष्कर्म के मामलों में केंद्रीय कानून भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) में दिए गए प्रावधान से अधिक कठोर दंड का प्रावधान करने वाले संशोधन विधेयक को मंजूरी दी।

नये प्रावधानों के तहत तमिलनाडु में दुष्कर्म के लिए न्यूनतम सजा 14 वर्ष सश्रम कारावास (आरआई) है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है तथा उसपर जुर्माना लगाया जा सकता है। बीएनएस में न्यूनतम सजा 10 वर्ष है और इसे आजीवन कारावास और जुर्माना तक बढ़ाया जा सकता है।

स्पैडेक्स उपग्रहों के बीच 230 मीटर की दूरी है, हालत सामान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि वह जिन दो 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पैडेक्स) उपग्रहों को कक्षा में एकीकृत करना चाहता है, उनके बीच वर्तमान में 230 मीटर की दूरी है तथा वे 'सामान्य' हालत में हैं।

शुक्रवार शाम उपग्रहों के बीच की दूरी 1.5 किलोमीटर थी।

अंतरिक्ष एजेंसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सभी सेंसर का मूल्यांकन किया जा रहा है। अंतरिक्ष यान की स्थिति सामान्य है।'' हालांकि, अंतरिक्ष एजेंसी ने 'डॉकिंग' प्रयोगों के संचालन की तारीख के बारे में कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है, जो उपग्रहों को अंतरिक्ष में एकीकृत करेगा।

स्पैडेक्स परियोजना पहले ही 7 और 9 जनवरी को 'डॉकिंग' प्रयोगों के लिए घोषित दो समय सीमा को चूक गई है। इसरो ने 30 दिसंबर को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा था।

इसरो के अनुसार, स्पैडेक्स मिशन दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग कर अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिए एक किफायती प्रौद्योगिकी मिशन है जिसे पीएसएलवी के जरिये लॉन्च किया गया था।

मणिपुर के दो गांवों में कर्फ्यू लगाया गया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में अशांति के बाद अधिकारियों ने शनिवार को दो पड़ोसी गांवों में कर्फ्यू लगा दिया। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई।

जिले के अधिकारियों ने एक आदेश में कहा कि कांगचुप गेलजांग उप-मंडल के अंतर्गत कोंसाखुल और लीलोन वैफेई गांवों में शांति भंग होने की आशंका है। इसमें कहा गया है कि अगले आदेश तक दोनों गांवों में और इसके आसपास लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

'नट-बोल्ट' तक सीमित स्वदेशीकरण का कोई अर्थ नहीं : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जमीनी हकीकत को बदलने में सक्षम प्रामाणिक और व्यावहारिक शोध का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि ऐसे स्वदेशीकरण का कोई अर्थ नहीं है जोकि 'नट-बोल्ट' तक सीमित हो। उन्होंने कहा कि स्वदेशीकरण का हमारा लक्ष्य 100 प्रतिशत पूर्णता होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने नवाचार और अनुसंधान में जुटने की भावना पर जोर देते हुए कहा कि इसे स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति यहां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के अनुसंधान एवं विकास पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे जिसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, बीईएल के सीएमडी मनोज जैन सहित अन्य लोग उपस्थित थे। धनखड़ ने कहा, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में यदि आप देखें, तो हमारा पेटेंट योगदान वांछित स्तर से बहुत पीछे है। जब शोध की बात आती है, तो शोध प्रामाणिक होना चाहिए। शोध अत्याधुनिक होना चाहिए। शोध व्यावहारिक होना चाहिए। शोध से जमीनी हकीकत बदलनी होगी। ऐसे शोध का कोई फायदा नहीं है जो सतही रेखाचित्र से थोड़ा आगे तक जाता हो। आपका शोध उस बदलाव से मेल खाना चाहिए जो आप लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रामाणिक शोध को ही शोध के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए और अनुसंधान की अनदेखी करने वालों के लिए मानक कड़े होने चाहिए।

धनखड़ ने कहा कि आपका 'ट्रैक रिकॉर्ड' बेहद प्रभावशाली है, लेकिन जब पूरा देश प्रत्याशा के मूड में है तो वह और अधिक की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा, हम अपने सम्मान के लिए पिछली उपलब्धियों पर नहीं निर्भर रह सकते। विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने में अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, जब पेटेंट के माध्यम से देश के योगदान की बात आती है, तो यह उन क्षेत्रों में नहीं है जहां हम योगदान दे रहे हैं। हमारी उपस्थिति बहुत कम है।

उन्होंने कहा, ''हम मानवता का छठा हिस्सा हैं। हमारी प्रतिभा हमें व्यापक स्तर पर भागीदारी करने की अनुमति देती है और इसके लिए, प्रबंधकीय पद पर, प्रशासन के पद पर बैठे प्रत्येक व्यक्ति को पहल करनी होगी। यह आवश्यक है, क्योंकि जब हम अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देंगे तभी हम वैश्विक समुदाय में एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर सकेंगे। आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना इसी में निहित है।'' उपराष्ट्रपति ने इस बात की तरफ भी इंगित किया कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान और विकास में कॉरपोरेट के योगदान की बात आती है तो देश को शायद ही कभी गिना जाता है। धनखड़ ने कहा कि विभिन्न कॉरपोरेट की कल्पना प्रबुद्ध प्रबंधकीय कौशल से की जाती है, लेकिन उन्हें एक मंच पर जुटना चाहिए और इसे एक मिशन बनाना चाहिए जिससे अनुसंधान और विकास में बड़ी छलांग लगेगी।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी को आगे आना चाहिए : केंद्रीय मंत्री शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस धरती का स्वामी नहीं बल्कि इसका संरक्षक बनना चाहिए।

कोलकाता के साइंस सिटी में 'ऑन द एज' नामक जलवायु परिवर्तन गैलरी का उद्घाटन करने के बाद शेखावत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है और केवल वैज्ञानिकों को नहीं बल्कि, प्रत्येक नागरिक को एक हितधारक के रूप में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब लोगों को यह मानना बंद कर देना चाहिए कि कार्बन उत्सर्जन, समुद्र स्तर में वृद्धि, चरम मौसम की स्थिति जैसे मुद्दे उनके जीवनकाल में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करेंगे, बल्कि ये केवल वैज्ञानिकों और मीडिया में आई खबरों में उठाए गए अकादमिक मुद्दे हैं।

शेखावत ने कहा, ''हमें जिम्मेदारी से काम करना होगा। जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए एक बड़ा मुद्दा है। 25 साल पहले जब ग्रीनहाउस प्रभाव और जलवायु परिवर्तन के बारे में चर्चा शुरू हुई थी, तो कई लोगों ने सोचा होगा कि इसका प्रभाव कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित रहेगा।''

उन्होंने कहा, ''यह धारणा गलत साबित हुई। ठंडे क्षेत्रों में रहने वालों को अब यह नहीं सोचना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन केवल उष्णकटिबंधीय गर्म स्थानों को ही प्रभावित करेगा। गैर-तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि समुद्र के स्तर में वृद्धि केवल समुद्र के पास रहने वालों को ही प्रभावित करेगी।''

शेखावत ने कहा, ''ऐसी धारणा सच नहीं है क्योंकि हाल के दिनों में हमने जो चरम मौसम के हालात देखे हैं, उससे यह साबित होता है कि जलवायु परिवर्तन पूरे समुदाय को प्रभावित कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम इस धरती के मालिक नहीं, संरक्षक हैं और हममें से हर किसी को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

BSE 77,378.91 (-241.30) | NSE 23,440.00 (-86.50)

सोना 8,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 100,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सांच कहूं तो...

सारे वैभव रखते बाबा,
फिर कहलाते हैं त्यागी।
दल के हित चिंतक जब बोले,
उनको कह देते सब बागी।
मिल जाए जीत मुहाने पर,
वो हो जाते हैं बड़भागी।
मिडिया यदि कह दे चोर जिसे,
वो सदा कहे जाते दागी।।

सहज स्मृति योग

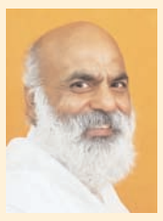

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी मानवता का भविष्य आपको कैसा लगता है?

उत्तर: सदा दिव्य लगता है। यथार्थ में भूत और भविष्य दोनों वर्तमान की ही छटाएँ या कलाएँ हैं, उनका कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। जो कोई जिसे चुनता है वह वही हो जाता है, चुनने का निर्णय ही भविष्य है और जो चुना वही होते जाना भूत है। तो यह स्पष्ट ही है कि होते तो ये दोनों ही क्रियाकलाप सदैव वर्तमान में ही हैं। वर्तमान के अतिरिक्त कोई यथार्थ विकल्प होता ही नहीं है और वर्तमान तो अपने स्वभाव से ही उज्ज्वल/दिव्य है। वह दिव्य ही रहा है और दिव्य ही होता है। प्रश्न अवधि का है कि अपने सत्य का चुनाव करने का साहसिक निर्णय लेने में कौन मानव कितनी अवधि व्यर्थ खोता है और कौन तत्क्षण जाग्रत होता है। किसी समय /काल /अवधि/ युग /क्षण में इन्हीं निर्णय करने वालों या चुनने वालों की संख्या से ही उस अर्थ में सामूहिक मानवी भविष्य भी निर्णीत होता है, जिस अर्थ में आप भविष्य शब्द का प्रयोग अपने प्रश्न में कर रहे हो। वास्तव में वह वर्तमान ही होता है भूत और भविष्य का उस अर्थ में सनातन अभाव है जिस अर्थ में सामान्य जन इस शब्द का प्रयोग करते रहते हैं। भाव ही सत्य है और वह सनातन है।

झुग्गी वासी 'आप-दा' सरकार को उखाड़ फेंक कर दिल्ली को मुक्त कराएंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में ''आप-दा'' सरकार को उखाड़ फेंक कर झुग्गी वासी दिल्ली के मुक्तिदाता बनेंगे और भरोसा दिलाया कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय राजधानी में सरकार बनाती है तो गरीबों के लिए किसी भी कल्याणकारी योजना को बंद नहीं किया जाएगा।

यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने वादा किया कि भाजपा के चुनाव जीतने पर प्रत्येक झुग्गी वासी को एक आवास मुहैया किया जाएगा। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव पांच फरवरी को होना है और मतगणना आठ फरवरी को होगी। शाह ने अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पहली वर्षगांठ पर ''जय श्री राम'' के जोरदार उद्घोष के साथ उपस्थित लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''जब हमने राम मंदिर की बात की तो केजरीवाल ने कहा कि शौचालय बनाने की जरूरत है, जब अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो उन्होंने कहा कि लोगों को घर चाहिए। मोदी जी ने गरीबों को शौचालय के साथ-साथ घर भी दिया, केजरीवाल ने नहीं।''

केंद्रीय गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि दिल्ली में अपने 10 साल के शासन में आम आदमी पार्टी (आप) ''आप-दा'' साबित हुई है। उन्होंने आप सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर झुग्गी वासियों को धोखा देने और उन्हें झुग्गियों में दयनीय स्थिति में रहने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। शाह ने शहर की झुग्गी बस्तियों में पेयजल और सीवर की कमी तथा कूड़े के ढेर का हवाला देते हुए कहा, ''झुग्गीवासी दिल्ली के मुक्तिदाता बनेंगे और 'आप-दा' सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे।'' वरिष्ठ भाजपा नेता ने केजरीवाल पर उनके इस दावे के लिए हमला बोला कि पार्टी ने दिल्ली चुनाव के लिए अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर रमेश बिधूड़ी के नाम को अंतिम रूप दे दिया है। शाह ने कहा, ''क्या केजरीवाल भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला कर सकते हैं?'' उन्होंने कहा कि आप सुप्रीमो की ''जोड़-तोड़'' को दिल्ली की जनता समझ चुकी है।

आबकारी नीति पर कैग रिपोर्ट ने केजरीवाल की पोल खोल दी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने दिल्ली सरकार की आबकारी नीति के कारण 2,026 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान व्यक्त किया है और सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने अपनी गलतियों को छिपाने के लिए रिपोर्ट को विधानसभा में पेश नहीं किया है।

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि कैग रिपोर्ट में इस नीति के बारे में 10 प्रमुख निष्कर्ष निकाले हैं, जिसे 'आप' सरकार ने विवाद के बीच रद्द कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस नीति पर उठाए गए सवालों का जवाब देना होगा। उन्हें बताना होगा कि पैसा किसकी जेब में गया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल इस घोटाले के सरगना हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने दावा किया कि दिल्ली सरकार की आबकारी नीति पर कैग की रिपोर्ट ने जानबूझकर की गई ''चूक'' को उजागर किया है, जिससे सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सत्ता के नशे में चूर, कुशासन में डूबे। लूट का 'आप'दा मॉडल पूरी तरह से उजागर है और वह भी शराब जैसी चीज पर।'' नड्डा ने कहा कि 'आप' सरकार को सत्ता से बाहर करने और उसके गलत कामों के लिए दंडित किए जाने में बस कुछ ही सप्ताह बाकी हैं। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''लिकरगेट' पर कैग की रिपोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी सरकार के नीति कार्यान्वयन में जानबूझकर की गई चूक को उजागर किया है। सरकारी खजाने को 2026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।''

ऊर्जा सुरक्षा 2027 से पहले ही अर्थव्यवस्था के चार लाख डॉलर पर पहुंचने को गति देगी : हरदीप पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु/भाषा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा वर्ष 2027 के अनुमानित लक्ष्य से काफी पहले ही चार लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के राष्ट्रीय प्रयासों को गति देगी।

पुरी ने यहां सातवें मंगलुरु साहित्य महोत्सव के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भारतीय अर्थव्यवस्था के वर्ष 2027 तक अपने लक्ष्य पर पहुंच जाने का अनुमान जताया है। पुरी ने कहा, हालांकि अगर मौजूदा रफ्तार जारी रही तो भारत उससे बहुत पहले ही वहां तक पहुंच जाएगा। पुरी ने कहा कि दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है। हालांकि कुछ तेल उत्पादक और निर्यातक देश अपने लाभ के लिए गिरोहबंदी कर जीवाश्म ईंधन को 'अल्पकालिक संसाधन' के रूप में पेश करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने अपनी तेल रिफाइनरी क्षमता को 50 लाख बैरल से बढ़ाकर 54 लाख बैरल प्रतिदिन कर दिया है तथा स्थापित क्षमता को 60-70 लाख बैरल प्रतिदिन तक बढ़ाने की गुंजाइश बनी हुई है। पुरी ने कहा, हमारी तेल कूटनीति भी उच्च स्तर पर है। पश्चिम एशिया के पारंपरिक बाजारों के साथ भारत अब रूस के अलावा अमेरिका एवं सूरीनाम से भी कच्चे तेल का आयात करता है। 'ईंधन प्रचुरता परिदृश्य' की पुष्टि करते हुए पुरी ने कहा कि अमेरिका तेल बाजार में 1.3 करोड़ बैरल डालेगा। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए उपलब्धता और सामर्थ्य जैसी चुनौतियां चिंताजनक हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरित ऊर्जा स्रोत के विकास और उपयोग ने भी कई क्षेत्रों में वृद्धि को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है।

पंजाब में नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए मान ने शाह से 600 करोड़ रुपए मांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नशीले पदार्थों के मामलों के तेजी से निस्तारण के लिए विशेष एनडीपीएस अदालतें स्थापित करने के वास्ते 600 करोड़ रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता मांगी। मान ने कहा कि पंजाब में नशे की समस्या सामाजिक-आर्थिक संतुलन को बिगाड़ रही है, जिससे अपराध, घरेलू हिंसा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'मादक पदार्थ तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मान ने केंद्र से पंजाब को विशेष एनडीपीएस (स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ) अदालतों के गठन तथा सरकारी अभियोजकों की भर्ती के लिए 10 साल के लिए वित्तीय सहायता-प्रति वर्ष 60 करोड़ रुपये-देने का आग्रह किया। मान ने कहा 1 जनवरी 2025 तक मादक पदार्थ से जुड़े 35,000 मामले सुनवाई के लिए लंबित थे, निस्तारण की वर्तमान दर पर, औसतन एक सत्र अदालत को मुकदमा पूरा करने में सात साल लगते हैं। पांच वर्षों में औसत निस्तारण अवधि 7 वर्ष (35,000 लंबित मामले) से बढ़कर 11 वर्ष (55,000 लंबित मामले) हो जाएगी। अगले पांच वर्षों में लंबित मामलों को निस्तारण के लिए राज्य को 79 नई विशेष एनडीपीएस अदालतें स्थापित करने और इन विशेष अदालतों के लिए सहायक कर्मचारियों के साथ 79 सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति करने की आवश्यकता है, जिसके लिए यह वित्तीय सहायता मांगी गई है।''

हिमाचल प्रदेश मादक पदार्थों के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध : सुक्खू

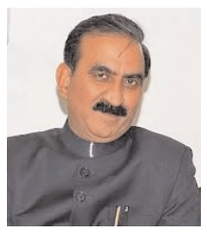

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में पिछले एक दशक में मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में 340 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 2012 में इसकी संख्या 500 थी, जो 2023 में बढ़कर 2200 हो गई। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थों के अवैध व्यापार की रोकथाम (पीआईटी-एनडीपीएस) अधिनियम पहली बार लागू किया गया है।

यहां जारी एक बयान में कहा गया कि शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 'मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शिरकत करते हुए उन्होंने मादक पदार्थों के मामलों के बढ़ते संकट से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हेरोइन से जुड़े मामले दोगुने हो गए हैं, यहां 2020 में इसके 29 प्रतिशत मामले थे जो 2024 में बढ़कर 50 प्रतिशत हो गए है। उन्होंने कहा कि राज्य विधानमंडल ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 37 में संशोधन किया है, ताकि कानूनी खामियों को दूर किया जा सके। उन्होंने बताया कि 'पीआईटी-एनडीपीएस' अधिनियम पहली बार लागू किया गया। यह अधिनियम मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल बार-बार अपराध करने वाले अपराधियों को हिरासत में लेने में उपयोगी है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल मार्ग का पहला चरण 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कर्णप्रयाग-सिमाई में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना स्थल का दौरा करने के बाद कहा कि इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का पहला चरण 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा। कर्णप्रयाग-सिमाई में परियोजना के तहत एक सुरंग बनाई जा रही है।

धामी ने कर्णप्रयाग में संवाददाताओं से कहा, यह एक अनूठी परियोजना है। आप देख सकते हैं कि पहाड़ियों में सुरंग बनाना कितना मुश्किल है। हालांकि, काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2026 के अंत तक परियोजना का पहला चरण पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उत्तराखंड के विकास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। धामी 23 जनवरी को होने वाले शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए कर्णप्रयाग पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि रेल परियोजना पूरी हो जाने के बाद पहाड़ों की यात्रा आसान हो जाएगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। धामी ने कहा कि इससे चारधाम की यात्रा बेहद सुविधाजनक हो जाएगी।

भाजपा रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाएगी : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुना है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

केजरीवाल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बिधूड़ी को सार्वजनिक बहस की चुनौती भी दी। केजरीवाल ने दावा किया, ''हमें विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि भाजपा अगले एक-दो दिन में रमेश बिधूड़ी को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''आप और भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के बीच खुली सार्वजनिक बहस होनी चाहिए, चाहे वह रमेश बिधूड़ी हों या कोई और।''

केजरीवाल ने संवाददाताओं के सवालों पर कहा, ''हां, हम भाजपा को बहस के लिए चुनौती दे रहे हैं।'' भाजपा ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से बिधूड़ी को मैदान में उतारा है।

बिधूड़ी का मुकाबला आप उम्मीदवार और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से होगा, जो इस सीट से दोबारा चुनाव लड़ रही हैं। आतिशी ने भी शुक्रवार को यह दावा किया था कि भाजपा बिधूड़ी को अपना मुख्यमंत्री चेहरा बनाने जा रही है।

रुपये की गिरावट के सारे रिकॉर्ड टूटे, प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि रुपये की गिरावट के सारे रिकॉर्ड टूट चुके हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की जनता को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार एक डॉलर की कीमत 86.4 रुपये हो गई है।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गुजरात का मुख्यमंत्री रहने के दौरान दिए गए एक बयान का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। इतिहास में पहली बार एक डॉलर की कीमत 86.4 रुपये हो गई है। डॉ. मनमोहन सिंह जी के कार्यकाल में जब एक डॉलर की कीमत 58-59 रुपये थी, तब नरेन्द्र मोदी जी रुपये की कीमत को सरकार की आबरू से जोड़ते थे। वह कहते थे, मुझे सब मालूम है। किसी देश की करेंसी ऐसे गिर नहीं सकती...।

शिवसेना (उबाठा) अकेले लड़ेगी स्थानीय निकाय चुनाव : संजय राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महा विकास आघाडी की हार को लेकर आरोप-प्रत्यारोप के बीच प्रमुख घटक उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना ने स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की। इस कदम से विपक्षी खेमे की एकता पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी आगामी स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने गठबंधन में संबंधित दलों के कार्यकर्ताओं के लिए अवसरों की कमी और संगठनात्मक विकास के अधिकार को अकेले चुनाव लड़ने के प्रमुख कारणों के रूप में उद्धृत किया। दो दिन पहले उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने कांग्रेस को झटका देते हुए पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल की 'आप' को समर्थन देने की घोषणा की थी। राउत की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए एक कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व इस बात पर फैसला करेगा कि कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी या नहीं, जिसका कार्यक्रम अभी घोषित होना बाकी है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) के फैसले से एमवीए गठबंधन के सभी तीन घटकों की चुनावी संभावनाओं पर असर पड़ेगा। राज्यसभा सदस्य ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए है। उन्होंने कहा, '' गठबंधन में, अलग-अलग दलों के कार्यकर्ताओं को अवसर नहीं मिलते और इससे संगठनात्मक विकास में बाधा आती है। हम अपने दम पर मुंबई, ठाणे, नागपुर और अन्य नगर निगमों, जिला परिषदों व पंचायतों के चुनाव लड़ेंगे।''

भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में 'थोड़ा कमजोर' रहने की आशंका: आईएमएफ एमडी

वाशिंगटन/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 'थोड़ा कमजोर' रहने की आशंका है। जॉर्जीवा ने कहा कि उन्हें इस साल दुनिया में मुख्य रूप से अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर काफी अनिश्चितता नजर आने की संभावना दिख रही है। उन्होंने शुक्रवार को अपनी वार्षिक मीडिया गोलमेज बैठक में कहा कि वर्ष 2025 में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने की संभावना है लेकिन इसमें क्षेत्रीय भिन्नताएं देखने को मिलेंगी। जॉर्जीवा ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शुमार भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में थोड़ा कमजोर होने की आशंका भी जताई। हालांकि, उन्होंने इस बारे में कुछ अधिक नहीं बताया। विश्व अर्थव्यवस्था परिदृश्य पर आने वाली रिपोर्ट में इस बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारी अपेक्षा से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, यूरोपीय संघ (ईयू) कुछ हद तक रुका हुआ है, (और) भारत थोड़ा कमजोर है।

छत्तीसगढ़ में 43 लाख रुपए के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों पर हमलों में कथित रूप से शामिल नौ कुख्यात नक्सलियों ने शनिवार को आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने इन नक्सलियों पर कुल 43 लाख रुपये का इनाम था। सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण के मुताबिक, दो महिलाओं समेत नौ नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली 'खोखली' और 'अमानवीय' माओवादी विचारधारा तथा प्रतिबंधित संगठन के भीतर जारी अंदरूनी कलह से निराश हैं। चव्हाण के अनुसार, नक्सलियों की प्लाटून संख्या 24 के कमांडर रनसाई उर्फ ओयम बुस्का (34) और पीएलजीए बटालियन संख्या 1 की कंपनी विंग के सदस्य प्रदीप उर्फ रव्वा राकेश (20) पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था।

अदालत ने अभिनेता अल्लू अर्जुन की जमानत शर्तों में ढील दी, विदेश यात्रा की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। अभिनेता अल्लू अर्जुन को बड़ी राहत देते हुए यहां की एक अदालत ने फिल्म 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मचने के मामले में उनकी जमानत की शर्तों में ढील दी है और उन्हें हर रविवार को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने से छूट दे दी है।

अदालत ने उन्हें इस शर्त के साथ निर्दिष्ट देशों की यात्रा करने की भी अनुमति दी कि उन्हें आवश्यकता पड़ने पर चिक्कड़पल्ली पुलिस थाने के एसएचओ के समक्ष पेश होना होगा। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वह एसएचओ को अपनी यात्रा कार्यक्रम की जानकारी दें तथा आरोप पत्र दाखिल होने तक गंतव्य देश में अपने ठहरने के स्थान का विवरण उपलब्ध कराएं।अदालत ने 10 जनवरी के अपने आदेश में कहा कि जमानत की शेष शर्तों में कोई बदलाव नहीं होगा। अदालत का यह निर्णय अभिनेता द्वारा जमानत की शर्तों में ढील देने के अनुरोध संबंधी याचिका के बाद आया है।

इससे पहले तीन जनवरी को हैदराबाद की एक अदालत ने फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत होने के मामले में अल्लू अर्जुन को नियमित जमानत दे दी थी।

अदालत ने कहा था कि अभिनेता को दो महीने की अवधि के लिए या आरोप पत्र दाखिल होने तक हर रविवार को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न एक बजे के बीच जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा।

अभिनेता को मामले का निपटारा होने तक अदालत की पूर्व अनुमति के बिना विदेश नहीं जाने का निर्देश दिया गया था।

घटना के सिलसिले में अभिनेता को 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था और तेलंगाना उच्च न्यायालय की ओर से चार सप्ताह की अंतरिम जमानत मिलने के बाद 14 दिसंबर को जेल से रिहा कर दिया गया था। अभिनेता की अंतरिम जमानत 10 जनवरी को खत्म होनी थी।

अल्लू अर्जुन को मामले में आरोपी नंबर 11 के रूप में नामजद किया गया है। उन्होंने अदालत में नियमित जमानत याचिका दायर की थी।

गुजरात: अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में 47 देशों के 143 पतंगबाजों ने हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का उद्घाटन किया। इस महोत्सव में 47 देशों के 143 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पतंग बाजार में गुजरात की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है और अमेरिका, ब्रिटेन तथा कनाडा जैसे देशों को यहां से निर्यात किया जाता है। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर 11 से 14 जनवरी तक 'अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव-2025' का आयोजन किया जा रहा है। अहमदाबाद के साथ ही यह महोत्सव 12 जनवरी को 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' (एकता नगर), राजकोट और वडोदरा, जबकि 13 जनवरी को सूरत, शिवराजपुर और धोर्डो में भी आयोजित किया जा रहा है। राज्य के पर्यटन मंत्री मुलु बेरा ने कहा कि इस वर्ष 47 देशों के अंतरराष्ट्रीय 143 पतंगबाज और भारत के 11 राज्यों के 52 पतंगबाज महोत्सव में हिस्सा ले रहे हैं।

पटेल ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस महोत्सव को पर्यटन के साथ जोड़कर इसमें आधुनिक सिद्धांत शामिल किये थे। उन्होंने कहा, ''इस पतंग महोत्सव ने गुजरात को वैश्विक पहचान दी है।'' मुख्यमंत्री ने आकाश में तिरंगा गुब्बारा उड़ाकर महोत्सव का शुभारंभ किया और कहा कि इस वर्ष 11 देशों के राजदूत पतंग महोत्सव देखने के लिए गुजरात आए हैं। उन्होंने कहा कि पतंग महोत्सव में आने वाले पर्यटकों से प्रधानमंत्री मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि गुजरात ने दुनिया में सबसे अधिक पतंग बनाने वाले राज्य के रूप में पहचान हासिल की है, गुजरातियों को पतंगें बहुत पसंद हैं।

मल्लापुर महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। वित्तीय व्यवसाय में यंग्स सुंदरम फाइनेंस द्वारा मैलापुर महोत्सव के 21वें संस्करण का शुभारंभ किया गया। शिष्यों ने सही सुरताल के बीच तालमेल बनाकर उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस महोत्सव में कई रंगारंग कार्यक्रम शामिल हुए, जो सन्निधि द्वारा चतुर्भुज के खुले मंच पर आयोजित किए गए। कार्यक्रम में सुंदरम फाइनेंस के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल रवि तमिलनाडु की तरक्की को पचा नहीं पा रहे, उनकी हरकतें बचकानी हैं : एमके स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को कहा कि राज्यपाल आरएन रवि इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि राज्य विकास कर रहा है और विधानसभा में अभिभाषण नहीं देने संबंधी उनका ''फैसला बचकाना'' है।

स्टालिन ने कहा कि रवि के राज्यपाल बनने के बाद पिछले कुछ वर्षों से राज्य विधानसभा में अजीब दृश्य देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने विधानसभा में कहा, ''राज्यपाल विधानसभा में आते हैं, लेकिन सदन में अभिभाषण दिए बिना लौट जाते हैं। इसीलिए मैंने कहा था कि उनकी हरकतें बचकानी हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के अनुसार, राज्यपाल को सत्र की शुरुआत में विधानसभा में अपना अभिभाषण देना होता है। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को समाप्त करते हुए स्टालिन ने कहा, लेकिन ऐसा लगता है कि वह योजनाबद्ध तरीके से नियमों का उल्लंघन करने के इच्छुक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2022 में राज्यपाल ने बिना किसी बदलाव के अपना अभिभाषण दिया, लेकिन उसके बाद के तीन वर्षों में वह 'बेतुके' कारणों का हवाला देते हुए अपना अभिभाषण देने से बचते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्र शुरू होने से पहले तमिल गान (तमिल थाई वल्थु) गाने और संबोधन के बाद राष्ट्रगान की धुन बजाने परंपरा लंबे समय से रही है। स्टालिन ने कहा, ''मुझे लगता है कि राज्यपाल इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि तमिलनाडु

विकास कर रहा है। मैं एक साधारण व्यक्ति हो सकता हूं, लेकिन यह विधानसभा करोड़ों लोगों की भावनाओं के कारण अस्तित्व में आई है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सदन राज्यपाल को राजनीतिक उद्देश्यों से ऐसा कुछ करते हुए नहीं देख सकता, जिससे उनके पद की गरिमा और जिम्मेदारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। तमिलनाडु के राज्यपाल रवि छह जनवरी को पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना विधानसभा से चले गए थे। राजभवन ने बाद में कहा था कि वह 'गहरी पीड़ा' में थे, क्योंकि राष्ट्रगान नहीं बजाया गया था। राज्यपाल ने तब कहा था, ''संविधान का अनादर करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।'' इस संबंध में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्टालिन ने कहा था, ''राज्यपाल का अभिभाषण न पढ़ने का निर्णय लेना बचकाना है।'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी सातवीं बार निश्चित रूप से सरकार बनाएगी। अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के सदस्यों द्वारा काली शर्ट और साड़ी पहनकर विधानसभा में आने पर उन्होंने जानना चाहा कि क्या उनमें राज्यपाल के खिलाफ 'काली शर्ट' पहनकर प्रदर्शन करने का साहस है, जो तमिलनाडु का अपमान करते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे खुशी होती यदि अन्नाद्रमुक ने केंद्र सरकार या राष्ट्रीय शिक्षा नीति की निंदा करने के लिए काली शर्ट पहनी होती।'' कानून-व्यवस्था की स्थिति पर स्टालिन ने कहा कि पुलिस ने स्वतंत्र रूप से काम किया और अपराध की घटनाओं में कमी आई है।

केरल में पुलिस कार्रवाई के बाद अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस में तनावपूर्ण माहौल

कोच्चि। केरल के कोच्चि में अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस के बिशप हाउस के बाहर उस वक्त तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब पुलिस ने शनिवार को वहां से कई पादरियों को हटा दिया, जो एक चर्च प्रशासक द्वारा जारी कुछ दस्तावेजों को वापस लेने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर थे। मतावलंबियों और पादरियों ने पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने मीडिया के समक्ष दावा किया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारी पादरियों को जबरन बिशप हाउस से बाहर निकाला। हालांकि पुलिस ने आरोपों से इनकार किया। इस बीच, आर्चडायोसिस में तनाव के बीच, इसके नेतृत्व में परिवर्तन हुआ।

साइरो-मालाबार मेजर 'आर्चीपिस्कोपल क्यूरिया' द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि एर्नाकुलम-अंगमाली के आर्किपार्कि के अपोस्टोलिक प्रशासक के पद से बिशप पुथुर का इस्तीफा पोप फ्रांसिस ने स्वीकार कर लिया। बयान में कहा कि बिशप पुथुर ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए सितंबर 2024 में अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इससे पहले, टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों से यह भी पता चलता है कि पुलिस कार्रवाई में कुछ प्रदर्शनकारी पादरी घायल हुए हैं। बड़ी संख्या में मतावलंबी और पादरी सेंट मैरी बेसिलिका पहुंचने लगे, जहां प्रदर्शनकारी पादरियों को स्थानांतरित कर दिया गया था और बड़ी संख्या में पुलिस भी वहां देखी गई। अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस मुख्यालय के बाहर मतावलंबियों की पुलिस के साथ तीखी बहस भी हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि एर्नाकुलम के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सी जयकुमार ने कहा है कि सरकार अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस के खिलाफ है। एसीपी ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि मीडिया की सुर्खियों के लिए आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हम अब भी उनके साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने और इसे हल करने के लिए तैयार हैं। बाद में, मतावलंबियों ने बिशप हाउस में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें बाहर कर दिया। चर्च सूत्रों ने बताया कि तनावपूर्ण स्थिति के बाद जिलाधिकारी एन एस के उमेश मौके पर पहुंचे और बिशप हाउस में सभी पक्षों के साथ चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि चर्चा बेनतीजा रही और रविवार को भी यह जारी रहेगी। शुक्रवार को अंगमाली-एर्नाकुलम आर्चडायोसिस मुख्यालय में अराजक दृश्य देखने को मिले, जब आर्चडायोसिस की नवगठित इकाई 'क्यूरिया' को बर्खास्त करने की मांग को लेकर पादरियों के एक वर्ग ने विरोध-प्रदर्शन किया। 'क्यूरिया' ऐसी इकाई है, जो चर्च को कुशलतापूर्वक चलाने में मदद करती है। झड़प तब शुरू हुई, जब 21 पादरियों ने आर्चबिशप के घर पर उपवास प्रार्थना शुरू कर दी। विरोध करने वाले पादरी आर्चडायोसिस प्रोटेक्शन कमेटी (अतिरूपथ संरक्षण समिति) के हैं। आर्चडायोसिस प्रोटेक्शन कमेटी की ओर से जारी बयान के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने अपोस्टोलिक प्रशासक बोस्को पुथुर द्वारा जारी किए दस्तावेजों को वापस लेने की मांग की है, जिसमें स्वीकृत नियमों और नागरिक कानूनों दोनों का उल्लंघन करते हुए पादरियों को अनुचित तरीके से निलंबित किया है। साइरो-मालाबार चर्च साइनोड ने प्रदर्शनकारी पादरियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश दिया है।

गणतंत्र दिवस परेड के तमिलनाडु और पुडुचेरी के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु और पुडुचेरी से लगभग बारह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं और केंद्र सरकार की योजनाओं के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले लाभार्थियों को 26 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए देश भर से आमंत्रित किया गया है।

वे उन दस हज़ार विशेष अतिथियों में शामिल हैं जो विशेष आमंत्रितों के रूप में परेड देखेंगे। 'स्वर्णिम भारत' के इन वास्तुकारों में प्रमुख हैं चेन्नई के डीटी कमलाक्कनन और मामल्लापुरम के एम देवराज, जो कपड़ा क्षेत्र के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं। राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इस बार नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए लगभग दस हजार विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है।

आपदा राहत कार्यकर्ता, जल योद्धा, प्राथमिक कृषि ऋण समितियां, स्थानीय निकाय प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के प्रशिक्षु, वन एवं वन्य जीव संरक्षण कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मन की बात प्रतिभागी, पैरालंपिक दल एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के विजेता, अक्षय ऊर्जा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सड़क निर्माण श्रमिक, सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप और सर्वश्रेष्ठ पेटेंट धारक उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

पैरा-ओलंपिक दल के सदस्य, शतरंज ओलंपियाड पदक विजेता, ब्रिज वर्ल्ड गेम्स रजत पदक विजेता और स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है क्योंकि उन्होंने अपने-अपने खेलों में अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए, पेटेंट धारकों और स्टार्ट-अप को भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल किया गया है। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत स्कूली बच्चे जो अखिल भारतीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता और वीर गाथा प्रतियोगिता के विजेता बनकर उभरे हैं, वे भी गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

गणतंत्र दिवस समारोह के अलावा, ये विशेष अतिथि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, प्रधानमंत्री संग्रहालय और दिल्ली के अन्य प्रमुख स्थानों का दौरा करेंगे। उन्हें संबंधित मंत्रियों से बातचीत करने का भी अवसर मिलेगा।

तमिलनाडु में वीसीके को मिला मान्यता प्राप्त राज्यस्तरीय पार्टी का दर्जा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) को निर्वाचन आयोग द्वारा राज्यस्तरीय पार्टी के रूप में मान्यता दे दी गई है। पार्टी प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने शनिवार को यह जानकारी दी। थिरुमावलवन ने कहा कि उनकी पार्टी को आधिकारिक तौर पर 'मटका' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। उन्होंने निर्वाचन आयोग के पत्र की एक प्रति सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट की।

निर्वाचन आयोग की ओर से वीसीके को 10 जनवरी, 2025 को लिखे गए पत्र के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा से पता चला है कि इसने राज्यस्तरीय पार्टी के रूप में मान्यता के मानदंडों को पूरा किया है, इसलिए इसे राज्यस्तरीय पार्टी की मान्यता दी गई है। साथ ही, जून 2024 में पार्टी द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार तमिलनाडु में वीसीके के लिए चुनाव चिह्न 'मटका' आरक्षित किया गया है। वीसीके तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन का एक प्रमुख घटक है।

पुडुचेरी में एचएमपीवी संक्रमित बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी में पिछले कुछ दिन से एक निजी अस्पताल में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का इलाज करा रहे तीन वर्षीय एक बच्चे को शनिवार को छुट्टी दे दी गई। पुडुचेरी के स्वास्थ्य निदेशक वी. रविचंद्रन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''बच्चा बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गया है और उसे शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।''

उन्होंने बताया कि माता-पिता को घर पर बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल और एहतियाती उपायों के बारे में आवश्यक निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि पुडुचेरी में एचएमपीवी का यह पहला मामला है। रविचंद्रन ने बताया कि जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर) मानक प्रोटोकॉल के अनुसार एचएमपीवी के सभी मामलों की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी सरकार निकटवर्ती कादिरकमम में सरकारी इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान में जांच कराने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।'' इस बीच, स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और व्यापक एहतियाती उपाय किए गए हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, पुडुचेरी के निकट गोरीमेदु क्षेत्र में स्थित सरकारी अस्पताल में वयस्कों और बुजुर्ग मरीजों के लिए गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) समेत 10 बिस्तरों वाला वार्ड स्थापित किया गया है।

द्रमुक ने इरोड पूर्व विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार के नाम की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने पांच फरवरी को होने वाले इरोड पूर्व विधानसभा उपचुनाव के लिए शनिवार को पूर्व विधायक वी सी चंद्र कुमार को अपना उम्मीदवार घोषित किया। मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस के साथ समझौता होने के बाद चेन्नई में जारी एक बयान में उनके नाम की घोषणा की। यह सीट विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता ईवीकेएस एलंगोवन के निधन से रिक्त हुई है और इसलिए इस पर उपचुनाव कराया जा रहा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वी सी चंद्र कुमार 13 जनवरी को नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

नफरती बयान देने के आरोप में भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज

कोट्टायम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के नेता पी. सी. जॉर्ज द्वारा कथित तौर पर धार्मिक द्वेष पैदा करने वाली टिप्पणी करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व विधायक जॉर्ज पर इस सप्ताह के प्रारंभ में एक टीवी परिचर्चा के दौरान एक अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ नफरती टिप्पणी करने का आरोप है।

मुस्लिम यूथ लीग की नगर समिति के कथित प्रतिनिधि मुहम्मद शिहाब की शिकायत के आधार पर एराट्टुपेट्टा पुलिस ने शुक्रवार को भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और केरल पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है एवं जल्द ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के बाद शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। इस बीच, भाजपा ने जॉर्ज के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने की कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि यह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार का 'राजनीतिक प्रतिशोध'' है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केरल मामलों के प्रभारी प्रकाश जावडेकर ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)नीत वाममोर्चा सरकार पर हमास के

खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलने का आरोप लगाया। जॉर्ज का बचाव करते हुए जावडेकर ने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि उनका इरादा चरमपंथ का विरोध करना था, न कि किसी समुदाय को निशाना बनाना।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, एलडीएफ सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध के कारण पी सी जॉर्ज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और वह हमास के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहती।

उन्होंने लिखा, ''यूडीएफ भी चरमपंथी राजनीति को बढ़ावा देने का भी दोषी है... पी सी जॉर्ज पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनका इरादा चरमपंथ का विरोध करना था और किसी समुदाय को निशाना बनाना नहीं था। केरल चरमपंथ के खिलाफ मजबूती से खड़ा है।''

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेन्द्रन ने भी जॉर्ज के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए पिनराई विजयन सरकार की आलोचना की और कहा कि उनकी पार्टी कानूनी एवं राजनीतिक रूप से इस मामले का सामना करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने सांप्रदायिक ताकतों के दबाव में मामला दर्ज किया है।

कोच्चि 'जल मेट्रो' के सफल प्रयोग को देश भर में 18 स्थानों पर दोहराने की तैयारी : केएमआरएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कोच्चि 'जल मेट्रो' की सफलता के बाद अब देश भर में 18 स्थानों पर पर्यावरण अनुकूल इस नए जल परिवहन मॉडल को दोहराने की तैयारी की जा रही है। कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड ने शनिवार को यह जानकारी दी। जल मेट्रो का संचालन और रखरखाव करने वाली केएमआरएल ने यहां जारी एक बयान में कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने उसे विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार की जल मेट्रो प्रणालियों की क्षमता का आकलन करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने का कार्य सौंपा है। इसमें कहा गया, हाल ही में अपने निदेशक मंडल से परामर्शदात्री शाखा बनाने की मंजूरी मिलने के बाद केएमआरएल ने प्रारंभिक कार्य के लिए एक आंतरिक समिति गठित की है। जरूरत पड़ने पर इस कार्य के लिए बाहरी विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नयी पहल केएमआरएल केरल के नवाचार और विशेषज्ञता के लिए गौरव की एक बात है।

केएमआरएल ने यह भी कहा कि मेट्रो रेल प्रणालियों के समतुल्य अपनी आधुनिक सुविधाओं और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ डिजाइन के साथ, कोच्चि जल मेट्रो ने शहरी जल परिवहन के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। व्यवहार्यता अध्ययन नदियों, झीलों और तटीय क्षेत्रों में जल मेट्रो सेवाएं स्थापित करने की संभावना पर केंद्रित होगा और संभावित स्थानों में गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी, जम्मू कश्मीर में डल झील व अंडमान और लक्षद्वीप में द्वीपों को जोड़ना शामिल हैं। केएमआरएल की विज्ञप्ति में कहा गया है, विचाराधीन अन्य शहर अहमदाबाद (साबरमती), सूरत, मंगलुरु, अयोध्या, धुबरी, गोवा, कोल्लम, कोलकाता, पटना, प्रयागराज, श्रीनगर, वाराणसी, मुंबई, कोच्चि और वसई हैं।

जीवन को खास बनाने के लिए हमें बड़े लक्ष्य चुनने पड़ेंगे : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान यूथ बोर्ड द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के चतुर्थ दिन शनिवार को 'युवाओं के लिए अभिप्रेरणा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में अहम योगदान देने वाले मोटिवेशनल स्पीकर बी.आर. शंकरानंद ने युवाओं को अपने ओजस्वी सम्बोधन से प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शंकरानंद ने युवाओं से जिस मार्ग पर चलने की अपेक्षा की है, उस पर चलने के लिए साहस की आवश्यकता है। हर मुश्किल को आसान बना देने वाले असाधारण लोग दुनिया में बहुत कम होते हैं। उन्होंने युवा महोत्सव में भाग ले रहे युवाओं से कहा कि वे अनुशासन, धैर्य और साहस के बूते यहां तक पहुंचे हैं लिहाजा वे अपने आप को भीड़ का हिस्सा नहीं समझें। कर्नल राठौड़ ने कहा कि अपने जीवन को खास बनाने के लिए हमें बड़े लक्ष्यों को चुनना पड़ेगा और उन्हें प्राप्त करने के लिए अपने आप को चुनौतियों के लिए तैयार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी छोटी-छोटी कोशिशों से ही हमारे लिए बड़ा मार्ग तैयार हो पाएगा।

इससे पूर्व बी.आर.शंकरानंद ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा विकास और विनाश दोनों के कारण बन सकते हैं। लेकिन भारत के युवा विशिष्ट हैं, जो कल्याणकारी मार्ग ही चुनते हैं। उन्होंने कहा कि हमें भारत को पहले आत्मनिर्भर, फिर विकसित, उसके बाद श्रेष्ठ और तत्पश्चात विश्व गुरु बनाना है। स्वामी विवेकानन्द द्वारा दिखाया गया मार्ग ही भारत के विश्व गुरु बनने का माध्यम हो सकता है।

शंकरानंद ने स्वामी विवेकान्द की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रश्न पूछना मनुष्य के व्यक्तित्व का बहुत अहम तत्व है। प्रश्न पूछने की तीव्रता को रोका नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रश्नों के उत्तर ढूंढ़ना ही मनुष्य जीवन की विकास यात्रा है। स्वामी विवेकान्द ने भी प्रश्नों पर मंथन से ही भारत के कल्याण का मार्ग खोजा। शंकरानंद ने कहा कि भारत को समझने के लिए हमें एक-दूसरे से कनेक्ट होने की भी आवश्यकता है। भारत को ज्ञान, पराक्रम और त्याग के लिए जाना जाता है। निर्भय होना भी भारत को समझने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि अध्ययन और भ्रमण करने से भारत को समझने में आसानी होगी। शंकरानंद ने कहा कि देश के युवाओं में इतनी शक्ति है कि भारत शीघ्र ही विकसित देश बनेगा। विकसित भारत के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य अनिवार्य विषय हैं। उन्होंने कहा कि हमें अच्छा बनना और अच्छा करना चाहिए। इसके लिए हम अपनी जीवन शैली में परिवर्तन लाते हुए अच्छी आदतों को अपनाएं। शंकरानंद ने सूर्य नमस्कार और गीता पाठ के लाभ भी गिनाए। सम्बोधन के बाद शंकरानंद ने प्रदेश भर से युवा महोत्सव में आए प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिए।

प्रारम्भ में शंकरानंद ने भारत माता और स्वामी विवेकान्द जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। वहीं, कार्यक्रम के पश्चात खिलाड़ियों ने मल्लखंभ का साहसिक प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को रोमांचित किया। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान यूथ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन, राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह, युवा मामले एवं खेल विभाग की उप सचिव श्रीमती अनीता मीणा और राजस्थान यूथ बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश पहाड़िया सहित विशिष्टजन और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

पचपदरा रिफाइनरी राजस्थान के विकास के लिए महत्वपूर्ण : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि पचपदरा में एचपीसीएल रिफाइनरी का निर्माण न केवल पश्चिमी राजस्थान बल्कि पूरे राज्य के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने परियोजना की लंबित इकाइयों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि उत्पादन शुरू हो सके और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री से राज्य को अधिक से अधिक राजस्व प्राप्त हो सके।

उन्होंने साथ ही परियोजना के निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शर्मा ने बालोतरा जिले का दौरे किया, जहां उन्होंने पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, राज्य सरकार एवं रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस में बैठ कर रिफाइनरी में विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

शर्मा ने रिफाइनरी परिसर में ही हाईटेंशन मोटर के जरिए 'कम्प्रेस्ड एयर नाइट्रोजन' संयंत्र का उद्घाटन भी किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने रिफाइनरी में निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस परियोजना का निर्माण केवल पश्चिमी राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में 'ड्यूल फीड क्रेकर यूनिट' का अवलोकन किया और श्रमिकों के साथ बातचीत भी की।

उन्होंने जिला पुलिस अधिकारियों को रिफाइनरी और आस-पास के क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। शर्मा ने एचआरआरएल के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि रिफाइनरी परिसर में 'ग्रीन बेल्ट' विकसित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिफाइनरी के आस-पास के क्षेत्र में पेट्रो जोन का विकास किया जाना है।

उन्होंने अधिकारियों को पेट्रो जोन के क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों से भी निरंतर संपर्क स्थापित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रिफाइनरी का काम अक्टूबर 2022 में पूरा होना था लेकिन कांग्रेस सरकार के ढुलमुल तरीकों के कारण 2023 के अंत तक तीन-चौथाई काम भी पूरा नहीं हो सका। हमने पिछले एक वर्ष में 13,500 करोड़ रुपये व्यय कर रिफाइनरी का 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया है। मैंने आज (शुक्रवार) ही तीन से चार महीने के भीतर रिफाइनरी में कच्चे तेल की रिफाइनिंग का काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने रिफाइनरी के साथ इसके आस-पास औद्योगिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए भी कोई पहल नहीं की। हमारी सरकार रिफाइनरी के पास रीको की तरफ से 'प्लग एंड प्ले' आधारित व्यवस्था स्थापित कर रही है ताकि उद्यमियों द्वारा शुरुआती दौर में बिना अधिक पूंजी लगाए उद्योग शुरू किए जा सकें।

शर्मा के अनुसार, हमारी सरकार जुमलेबाजी में समय खराब करने की जगह सीधे कार्रवाई पर ध्यान देती है और इसी कारण लंबे समय से प्रतीक्षित रिफाइनरी शीघ्र शुरू होने जा रही है।

मारवाड़ी उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि मारवाड़ी उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय है। जहांजहां मारवाड़ी गए हैं, उन्होंने वहां की अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जहांजहां बैलगाड़ी पहुंची वहांवहां मारवाड़ी भी पहुंचे और वहां के विकास में अपना योगदान दिया है। उन्होंने जालना के मारवाड़ी उद्यमियों की चर्चा करते हुए महाराष्ट्र और पूरे देश में उनके महान योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

बागड़े शनिवार को जालना में मारवाड़ी मंच द्वारा आयोजित पधारो म्हारा देश कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कठिन संघर्ष से तप कर मारवाड़ियों ने राष्ट्र के उद्योगों में अपना स्थान बनाया है। उन्होंने अर्थव्यवस्था में मारवाड़ियों के योगदान को महती बताते हुए उनके द्वारा परोपकार के लिए किए कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने मारवाड़ी समुदाय द्वारा उद्यमिता विकास के जरिए राष्ट्र समृद्धि के किए कार्यों की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि देश के प्रमुख उद्योगपतियों की सूची में राजस्थानी उद्योगपतियों की संख्या सबसे ज्यादा है। फोर्ब्स की सूची में भी देश के प्रमुख उद्योगपतियों और धनी व्यक्तियों में मारवाड़ी अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी कोई जाति नहीं है, बल्कि विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक समूह का सूचक है। यह उद्यमिता के गुणों से युक्त मानव समुदाय है। आरंभ में राज्यपाल बागड़े का मारवाड़ी मंच द्वारा अभिनंदन किया गया। उन्होंने मारवाड़ी मंच के पदाधिकारियों से संवाद कर राजस्थान में निवेश के लिए भी उन्हें प्रोत्साहित किया।

कोचिंग शिक्षक किराए के कमरे में मृत मिला, आत्महत्या का संदेह

कोटा। राजस्थान में 25 वर्षीय एक कोचिंग शिक्षक अपने किराए के मकान में मृत पाया गया। पुलिस को संदेह है कि उसने कोई जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान मूलरूप से भरतपुर जिला निवासी विवेक शर्मा के रूप में हुई है और वह पिछले तीन-चार साल से कोटा में रहकर यहां विभिन्न कोचिंग संस्थानों में शिक्षक के रूप में कार्यरत था।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) बुधराम चौधरी ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात को जवाहर नगर के तलवंडी सेक्टर-1 में हुई। अधिकारी ने बताया कि शाम को विवेक के पिता हरीश शर्मा ने अपने बेटे से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उसके पिता ने चिंतित होकर एक परिचित से विवेक का हालचाल जानने के लिए कहा।

सीओ ने बताया कि रात करीब 10 बजे उसके कमरे में पहुंचे परिचित ने खिड़की से झांका तो विवेक बेहोश पड़ा था। सीओ ने बताया मौके पर पहुंची पुलिस उसे न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिलाओं-बच्चों के उत्थान के लिए राज्य सरकार संवेदनशील : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने महिला एवं बाल विकास को देश एवं प्रदेश की प्रगति की आधारशिला बताते हुए कहा है कि इनके सशक्तीकरण से एक अच्छे परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण होता है और राज्य सरकार इनके उत्थान के लिए पूरी संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। शर्मा शनिवार को यहां केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित चिंतन शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम इनसे जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह चिंतन शिविर महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। इस शिविर में हम साथ मिलकर इनके भविष्य को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में चिंतन करें जिससे महिला एवं बाल विकास को नई दिशा मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव लाए हैं। वे राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने नई योजनाओं एवं नवाचारों से देश के विकास में नया अध्याय जोड़ा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृशक्ति तथा बच्चों के समग्र विकास के लिए समर्पित हैं, उनके अनुसार देश में महिला, युवा, किसान तथा मजदूर चार जातियां हैं। जिनके उत्थान एवं सर्वांगीण विकास के लिए सरकार काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन से छह वर्ष के बच्चों को पोषाहार के साथ अतिरिक्त पोषण के लिए सप्ताह में तीन दिन गर्म दूध उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार दो हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श आंगनबाड़ी के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन में सहयोग करने वाले स्थानीय आमजन का सम्मान करना चाहिए। राज्य सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित प्रत्येक योजना की निरंतर मॉनिटरिंग, मूल्यांकन तथा आकलन कर रही है जिससे योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को राज्य सरकार ने पांच हजार से बढ़ाकर छह हजार 500 रुपये कर दिया गया है। साथ ही दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। शर्मा ने कहा कि बालिका सशक्तीकरण के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना, कालीबाई भील उड़ान योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। राज्य सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पालनहार योजना से राज्य के छह लाख बच्चों के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

शर्मा ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की देखरेख के साथ उनकी सुरक्षा, शिक्षा, कौशल संवर्द्धन, रोजगार, उद्यमिता, सामाजिक सम्मान, महिला हितैषी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन सहित विभिन्न पहलुओं के प्रति सरकार पूरी तरह संवेदनशील है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अंत्योदय की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि चिन्तन शिविर की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में बारिश, कोहरा व कड़ाके की सर्दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राजस्थान में मौसम अचानक बदल गया है और कई जगह बारिश व वज्रपात के बीच कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। राज्य के अनेक इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार सुबह के चौबीस घंटों के दौरान राज्य में कहीं कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 2.8 मिलीमीटर बारिश फलोदी में हुई। इस दौरान सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अनेक इलाकों में दिन की शुरुआत घने कोहरे के बीच हुई।

इस दौरान जिन इलाकों में बारिश हुई उनमें जोधपुर, जैसलमेर, अलवर, अजमेर व बीकानेर जिले के अनेक स्थान शामिल हैं। राजधानी जयपुर सहित अनेक जगह पर शनिवार सुबह से बूंदाबांदी व बारिश हो रही है। मौसम केंद्र ने पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार को राज्य में कहीं-कहीं बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है।

सहकारी बैंक के मुख्य प्रबंधक के पास से 8.50 लाख नकद बरामद

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड़ के मुख्य प्रबंधक संजय शर्मा के पास से आठ लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक गोपनीय सूचना मिली थी कि केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड़ का मुख्य प्रबंधक संजय शर्मा क्रय विक्रय सहकारी समितियों में अन्न भंडारण योजना में गोदामों की स्वीकृति के लिए कमीशन की एवं अन्य रिश्वत राशि ले करके नोहर-रावतसर क्षेत्र से हनुमानगढ़ आ रहा है।

जोधपुर में लवली कंडारा एनकाउंटर मामले में सीबीआई ने दर्ज किया केस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। हिस्ट्रीशीटर लवली कंडारा एनकाउंटर मामले की परतें अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइख) खोलेगी। 2021 में हुए फर्जी एनकाउंटर के आरोपों के बाद कंडारा के परिजनों ने सीबीआई जांच की मांग की थी। 9 जनवरी को दिल्ली में मामला दर्ज होने के बाद जांच शुरू कर दी गई है। प्रकरण के अनुसार 13 अक्टूबर 2021 को जोधपुर के रातानाडा थाने के हिस्ट्रीशीटर लवली कंडारा का पुलिस ने एनकाउंटर किया था। पुलिस का दावा था कि लवली अपने साथियों के साथ भागने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान हुई मुठभेड़ में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। सीबीआई ने इस मामले में रातानाडा थाने के तत्कालीन एसएचओ लीलाराम और चार अन्य पुलिसकर्मियों जितेंद्र सिंह, किशन सिंह, विश्वास, और अंकित को आरोपी बनाया है। आरोप है कि एनकाउंटर फर्जी था और पुलिस ने इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया। दिल्ली स्पेशल पुलिस के डिप्टी एसपी मोहिंदर सिंह इस मामले की जांच करेंगे। एनकाउंटर की सत्यता और घटनाक्रम की जांच के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर भी नजर रखी जाएगी।

लवली कंडारा के परिवार और रिश्तेदारों ने एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी। अब जांच के शुरू होने से पुलिस अधिकारियों पर कानूनी शिकंजा कसने की संभावना है। यदि एनकाउंटर को फर्जी साबित किया गया, तो यह पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। इस मामले में सीबीआई की रिपोर्ट का इंतजार पूरे प्रदेश में बड़ी उत्सुकता से किया जा रहा है।

मानव धर्म सबसे श्रेष्ठ धर्म : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि मानव धर्म सबसे श्रेष्ठ धर्म है। उन्होंने संतमहात्माओं के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने 'महानुभव पंथ' की चर्चा करते हुए जाति, पाति, धर्म भेद से परे मानवता के धर्म को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर जीवन उत्कर्ष के लिए कार्य करने का आह्वान किया है।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को महाराष्ट्र के जालना में आयोजित 'महाचिंतनी' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महानुभाव संप्रदाय में संतों ने वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था को चुनौती देते हुए महिलाओं को शिक्षा और समानता का अधिकार प्रदान किया है।

उन्होंने महानुभाव संप्रदाय के बा. भो. शास्त्री द्वारा सामाजिक, धार्मिक, साहित्य और समाज सुधार के क्षेत्र में किए कार्यों का स्मरण करते हुए 'महाचिंतनी' के जरिए समाज में अच्छे विचारों का प्रचार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संत जीवन के आलोक होते हैं। संतों का जीवन अपने लिए नहीं पूरे समाज के लिए होता है। उन्होंने सर्वसमभाव की भारतीय संतसंस्कृति को आदर्श बनाने का आह्वान किया।

अब निर्माणाधीन आवासीय भवनों के लिए मिल सकेंगे स्थायी विद्युत कनेक्शन

जयपुर। स्वयं के आवासीय उपयोग हेतु भवन निर्माणकर्ताओं को अब स्थाई घरेलू विद्युत कनेक्शन मिल सकेंगे। जयपुर विद्युत वितरण निगम ने ऐसे आवेदकों के हित में यह बड़ा निर्णय किया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि पूर्व में स्वयं के उपयोग के लिए आवासीय भवन निर्माण कराने वाले आवेदकों को अस्थायी कनेक्शन जारी किए जाते थे।साथ ही, निर्माण पूरा होने के बाद स्थाई कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं को अलग से आवेदन करना पड़ता था। जिसके लिए फिर से कनेक्शन और निरीक्षण संबंधी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था।

देश और दुनिया में धूम मचा रहा है उत्तर प्रदेश का ब्रांड 'ओडीओपी' : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) योजना की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना उत्तर प्रदेश की विशिष्ट पहचान बन गई है और आज देश और दुनिया में धूम मचा रही है।

शनिवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने खादी महोत्सव-2025 का भव्य उद्घाटन किया और इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस सप्ताह व्यापी महोत्सव में देश भर से आए खादी और हथकरघा उत्पादों के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले का एक उत्पाद (ओडीओपी) अब न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में सबसे प्रभावी ढंग से लागू किया है। उन्होंने कहा कि हर जिले के उत्पाद न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि हस्तशिल्प और उद्यमिता को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न जिलों के वस्त्रों और हस्तशिल्प उत्पादों की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कलाकारों की प्रतिभा की भी सराहना की। योगी ने चीन निर्मित उत्पादों के स्थान पर स्थानीय हस्तशिल्प और ओडीओपी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले त्योहार हमारा होता था सामान चीन से बिकने के लिए यहां पर आता था। वे लोग शरारत भी करते थे, उत्पादों में ऐसा जहर मिलाते थे कि बच्चे छूते थे तो बीमार हो जाते थे, बहुत सारे लोगों की आंखों की रोशनी जाने का खतरा बना रहता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पाद न केवल हमारे कलाकारों को रोजगार देते हैं, बल्कि भारत के विकास में भी योगदान करते हैं। योगी ने खादी को भारत का स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि खादी केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि भारत का स्वाभिमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने इसे एक आंदोलन बनाया, जिसने आजादी

की लड़ाई को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। चरखे ने देशवासियों को न केवल रोजगार का साधन प्रदान किया, बल्कि यह राष्ट्रीय आंदोलन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बना। आज, आधुनिक युग में यह मैनुअल, सोलर और इलेक्ट्रिक चरखों के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि खादी न केवल एक कला है, बल्कि समाज की आवश्यकता भी है। महोत्सव में माटी कला बोर्ड द्वारा प्रस्तुत उत्पादों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मिट्टी से बने बर्तनों ने थर्माकोल और प्लास्टिक का पर्यावरण अनुकूल विकल्प प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि माटी कला उद्योग से जुड़े प्रजापति समुदाय को तालाबों से मुफ्त मिट्टी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे वर्षभर बर्तन बना सकें। माटी कला न केवल रोजगार का साधन बनी है, बल्कि दीपोत्सव जैसे आयोजनों ने इसे हर घर की परंपरा में शामिल कर दिया है। योगी ने शहद उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल एक लाभदायक व्यवसाय है, बल्कि तिलहनी फसलों की उत्पादकता भी बढ़ाता है। उन्होंने इसे आम के आम, गुठली के दाम की संज्ञा दी और कहा कि मधुमक्खियां फसल उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार करती हैं।

योगी ने कहा कि सरकार ने खादी, माटी कला और अन्य उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए तंत्र विकसित किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन लाभार्थियों को सोलर या इलेक्ट्रिक चाक, चरखा आदि प्रदान किए गए हैं, वे अपनी आय का एक हिस्सा बचत के रूप में सुरक्षित रखें और अन्य लोगों को स्वावलंबन के मार्ग पर प्रेरित करें।

खादी महोत्सव को एक व्यापक मंच बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव कलाकारों, बुनकरों और उद्यमियों को अपनी कला प्रदर्शित करने और नई तकनीकों को सीखने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव न केवल खादी और ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि देशभर के कलाकारों और उद्यमियों को एक मंच पर ला रहा है। मुख्यमंत्री ने खादी के अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग का उल्लेख करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि खादी और हथकरघा के उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल हैं और आधुनिक फैशन में भी लोकप्रिय हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि महाकुम्भ में 240 से अधिक स्टॉल खादी और ग्रामोद्योग के द्वारा वहां पर स्थापित किए गए हैं, जिसके माध्यम से खादी का प्रचार-प्रसार होगा।

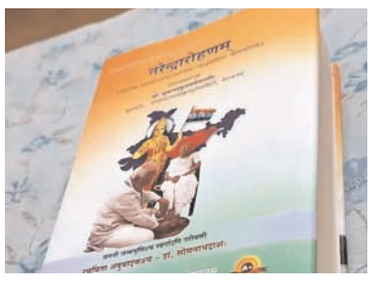

ओडिशा के संस्कृत विद्वान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महाकाव्य लिखा

ब्रह्मपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले के एक संस्कृत विद्वान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन और कार्यों पर संस्कृत भाषा में एक महाकाव्य लिखा है। राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति में एसोसिएट प्रोफेसर सोमनाथ दास द्वारा लिखित और सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात द्वारा प्रकाशित 700 पद्यों की कृति 'नरेन्द्र आरोहणम' का पिछले सप्ताह वेरावल में आयोजित एक युवा महोत्सव में विमोचन किया गया।

इस पुस्तक में 12 अध्यायों में 1,200 श्लोक हैं, जिनमें अंग्रेजी और हिंदी में वर्णन है। इसमें मोदी की जीवन यात्रा, उनके बचपन की गतिविधियों, गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में और प्रधानमंत्री के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल तक का वर्णन किया गया है। दास (48) ने कहा, ''गुजरात के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे और आज वह दुनिया के सभी युवाओं के लिए आदर्श बन गए हैं। उनकी राजनीतिक यात्रा और जीवन का संघर्ष हमेशा इतिहास में अंकित रहेगा।

ओडिशा के बालासोर में बेदखली अभियान से पहले कुछ स्थानों में कर्फ्यू लागू

बालासोर/भाषा। ओडिशा के बालासोर में रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ बेदखली अभियान से पहले जिला प्रशासन ने शनिवार को जिले के कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि बेदखली अभियान की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि कुछ लोगों ने रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है और पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के नारायणगढ़ से बालासोर होते हुए भद्रक तक तीसरी लाइन के निर्माण में बाधा डाल रहे हैं। अधिकारी ने बताया यातायात कम करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नई रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा है। बालासोर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट ने आदेश में कहा, अरादबाजार से सब्जी बाजार, हरिपुर से दर्जी पोखरी चक, कासिमिला पुल से फुलाड़ी चक, नुआबाजार रेलवे फाटक, गोलापोला व नुआबाजार सब्जी बाजार क्षेत्र में सड़क के दोनों ओर 11 जनवरी को तड़के चार बजे से रात 10 बजे तक और 12 जनवरी को तड़के चार बजे से रात 10 बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता की धारा 163 के तहत एसडीएम को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिया गया है।

मणिपुर के कामजोंग जिले में भीड़ ने असम राइफल्स के अस्थायी शिविर को क्षतिग्रस्त किया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कामजोंग जिले में कथित उत्पीड़न और लकड़ी की ढुलाई पर प्रतिबंध के विरोध में भीड़ ने असम राइफल्स के एक अस्थायी शिविर पर धावा बोला और उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। होंगबेई क्षेत्र में शिविर पर हमला करने वाले समूह के सदस्य नगा बहुल जिले के कसोम खुल्लेन ब्लॉक के थे।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को तनाव उस समय बढ़ गया, जब असम राइफल्स के जवानों ने कसोम खुल्लेन में घर के निर्माण के लिए कथित तौर पर लकड़ी की ढुलाई पर रोक लगा दी। उन्होंने बताया कि असम राइफल्स के जवानों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और हवा में गोलियां चलाईं। अधिकारी के मुताबिक, बाद में भीड़ ने अर्धसैनिक बल के अस्थायी शिविर को क्षतिग्रस्त कर दिया और मांग की कि उसे इलाके से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

साथ रहने के आदेश का पालन न करने पर भी पति से गुजारा भत्ता पा सकती है पत्नी : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि एक महिला को अपने पति के साथ रहने के आदेश का पालन नहीं करने के बाद भी उस स्थिति में पति से भरण-पोषण का अधिकार दिया जा सकता है जब उसके पास साथ रहने से इनकार करने का वैध और पर्याप्त कारण हो। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस सवाल पर कानूनी विवाद का निपटारा कर दिया कि क्या वैवाहिक अधिकारों की बहाली का आदेश रखने वाला पति महिला द्वारा साथ रहने के आदेश का पालन न किए जाने की स्थिति में कानून के आधार पर अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता देने से मुक्त है।

पीठ ने कहा कि इस संबंध में कोई सख्त नियम नहीं हो सकता और यह हमेशा मामले की परिस्थितियों पर निर्भर होना चाहिए। इसने कहा कि यह व्यक्तिगत मामले के तथ्यों पर निर्भर करेगा और उपलब्ध सामग्री तथा सबूतों के आधार पर यह तय करना होगा कि

क्या साथ रहने के आदेश के बावजूद पत्नी के पास पति के साथ रहने से इनकार करने का वैध और पर्याप्त कारण है। न्यायालय ने कहा, ''इस संबंध में कोई सख्त नियम नहीं हो सकता और यह निश्चित रूप से प्रत्येक विशेष मामले में प्राप्त होने वाले विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों पर निर्भर होना चाहिए।''

पीठ ने यह आधिकारिक फैसला झारखंड के एक अलग रह रहे दंपति के मामले में दिया जिनका विवाह एक मई 2014 को हुआ था, लेकिन अगस्त 2015 में अलग हो गए। पति ने दाम्पत्य अधिकारों की बहाली के लिए रांची में पारिवारिक अदालत का रुख किया और दावा किया कि पत्नी ने 21 अगस्त 2015 को ससुराल छोड़ दिया और उसे वापस लाने के बार-बार प्रयासों के बावजूद वह वापस नहीं लौटी। उसकी पत्नी ने पारिवारिक अदालत के समक्ष अपने लिखित आवेदन में आरोप लगाया कि उसके पति ने उसे प्रताड़ित किया और मानसिक पीड़ा दी तथा चार पहिया वाहन खरीदने के लिए पांच लाख रुपये के दहेज की मांग की। पारिवारिक अदालत ने 23 मार्च, 2022 को यह कहते हुए वैवाहिक अधिकारों की बहाली का फैसला सुनाया कि पति उसके साथ रहना चाहता है। हालांकि, पत्नी ने आदेश का पालन नहीं किया और इसके बजाय परिवार अदालत में भरण-पोषण के लिए याचिका दायर की। पारिवारिक अदालत ने पति को आदेश दिया कि वह अलग रह रही पत्नी को प्रति माह 10,000 रुपये का गुजारा भत्ता प्रदान करे। बाद में, पति ने इस आदेश को झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी जिसमें कहा गया कि उसकी पत्नी वैवाहिक अधिकारों की बहाली के आदेश के बावजूद ससुराल नहीं लौटी और उसने अपील के माध्यम से चुनौती देने का विकल्प नहीं चुना। उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि पत्नी भरण-पोषण की हकदार नहीं है। आदेश से व्यथित होकर पत्नी ने शीर्ष अदालत के समक्ष आदेश को चुनौती दी, जिसने उसके पक्ष में फैसला सुनाया।

उप्र : कन्नौज रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन इमारत ढही, 20 से अधिक मजदूर घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नौज/भाषा। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में रेलवे स्टेशन पर शनिवार को अमृत भारत योजना के तहत निर्माणाधीन दो मंजिला एक इमारत का लिंटर ढहने से मलबे में 20 से अधिक मजदूर दब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। कन्नौज हादसे का संज्ञान लेते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है और घटना में मामूली रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये और गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की है।

पुलिस के मुताबिक मलबे में कई मजदूरों के दबे होने की आशंका है। इस घटना के बाद तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया और छह घायल मजदूरों को मलबे से बाहर निकाल कर उन्हें अस्पताल भेजा गया है। इस घटना में अब तक कुल 23 लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल से प्राप्त प्रारंभिक दृश्यों में अफरा-तफरी और भ्रम का माहौल दिखाई दे रहा था, जहां लोगों की भीड़, धूल और टूटी हुई बीम के बीच फंसे हुए लोगों को बचाने का प्रयास कर रही थी। बचाव प्रयासों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने संवाददाताओं से कहा, इस हादसे में अब तक 23 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 20 लोगों को मामूली चोटें आई हैं और तीन को गंभीर चोटें आई हैं। घटनास्थल पर बचाव अभियान अभी भी जारी है और इसमें कुछ और समय लगेगा। मंत्री ने कहा कि जो इमारत ढही है, वह कन्नौज रेलवे स्टेशन का नया टर्मिनल है, जिसका निर्माण अमृत

जांच के लिए समिति गठित

योजना के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बचाव अभियान पूरा होने के बाद घटना की गहन जांच की जाएगी। हादसे के बाद स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में भी भगदड़ मच गई। मौके पर अधिकारियों ने आकर जांच पड़ताल शुरू की और बचाव अभियान शुरू किया। इसके पहले कन्नौज के जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने हादसे के बारे में कहा, '' प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन इमारत की छत की शटरिंग गिर गई।'' छत की शटरिंग एक अस्थायी संरचना है जो कंक्रीट को जमने के दौरान सहारा देती है।

जिलाधिकारी ने कहा, ''हमारी पहली प्राथमिकता मलबे में फंसे हुए श्रमिकों को बचाना है। हम बचाव कार्यों के लिए अपने पास उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं।'' बचाव अभियान की निगरानी के लिए शुक्ल अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि हादसे के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें भी राहत कार्य में जुटी हुई हैं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों में से एक महेश कुमार ने बताया कि वह बाल-बाल बच गए। महेश ने कहा, '' जैसे ही शटरिंग पर कंक्रीट डाली गई, वह अचानक गिर गई। उस पर बैठे सभी लोग गिर गए। मैं किनारे पर खड़ा था और किसी तरह बच निकला।'' घायलों को नजदीकी जिला अस्पताल और कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया है। राहत और बचाव कार्य जारी हैं।

बीएसएफ ने मालदा जिले में बांग्लादेशियों के समूह के तस्करी की कोशिश को नाकाम किया

मालदा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को कहा कि उसके जवानों ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में बांग्लादेशियों के एक समूह द्वारा तस्करी की कोशिश को विफल कर दिया। यह घटना बीएसएफ की दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 119वीं बटालियन के अंतर्गत सीमा चौकी नवादा पर सुबह करीब 2:10 बजे घटी।

अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ कर्मियों ने 15-20 हथियारबंद बांग्लादेशियों की हरकत देखी जो सीमा की ओर बढ़ रहे थे। बाड़ के भारतीय हिस्से में भी कई अन्य लोग देखे गए। बीएसएफ द्वारा चुनौती दिए जाने के बावजूद तस्कर बाड़ की ओर बढ़े। उन्होंने जवानों की नजर से बचने के लिए हाई-बीम टॉर्च का इस्तेमाल किया। बीएसएफ ने तस्करों को तितर-बितर करने के लिए शुरू में हवा में दो राउंड गोलियां चलाईं, लेकिन यह प्रयास अप्रभावी साबित हुआ। बीएसएफ के एक बयान में कहा गया, इसके बाद तस्करों ने जवानों पर धारदार हथियारों और लाठियों से हमला कर दिया।

जवाब में बीएसएफ कर्मियों ने तस्करी के प्रयास को रोकने के लिए आत्मरक्षा में दो राउंड गोलियां चलाईं। शीघ्र ही अतिरिक्त बल आ गया, जिससे तस्कर भागने को मजबूर हो गए। इसके बाद इलाके की तलाशी में एक विशेष ब्रांड की कफ सिरप की 572 बोतलें, एक धारदार हथियार और एक हाई-बीम टॉर्च बरामद हुई। बीएसएफ ने गोलीबारी में तस्करों के घायल होने की बात से इंकार नहीं किया है।

बिहार के पहले खेल विश्वविद्यालय को यूजीसी ने मान्यता दी

पटना/भाषा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नालंदा जिले के राजगीर में स्थित बिहार के पहले खेल विश्वविद्यालय को मान्यता दे दी है। मान्यता मिलने से अब यह विश्वविद्यालय यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित संस्थानों की सूची में शामिल हो गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर राज्य की पहली खेल अकादमी व बिहार खेल विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया था, जो राजगीर में अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर का हिस्सा होगा। विवि द्वारा जारी बयान के अनुसार, ''बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर को यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत यूजीसी से मान्यता मिल गई है। अब विवि को शैक्षणिक पाठ्यक्रम शुरू करने का अधिकार है, जिसमें शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में स्नातक और अन्य डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल होंगे।'' बयान में कहा गया है कि विश्वविद्यालय की मंशा अगले शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से कई शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने की है। इसमें कहा गया है, ''इन कार्यक्रमों में शामिल हैं, दो या तीन खेलों में खेल कोचिंग में डिप्लोमा/पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडी), योग में डिप्लोमा/पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, चार वर्षीय शारीरिक शिक्षा में स्नातक (बीपीएड) (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद से मान्यता के अधीन)।''

सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं को विदेश जाने की जरूरत नहीं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यहां कहा कि आज युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं है। सिंह ने आईआईएमटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में कोई भी काम छोटे मन से न करें, बल्कि मन बड़ा रखें क्योंकि मन बड़ा होगा तो सुख और आनंद की प्राप्ति होगी।

सिंह ने कहा, आज अगर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत कुछ बोलता है तो सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। हमारे देश के हीरो हमारे युवा हैं। कोरोना महामारी में हमने चुनौतियों को एक अवसर के रूप में देखा जिससे भारत स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनकर लगातार आगे बढ़ रहा है। दीक्षांत समारोह में राजनाथ सिंह का स्वागत आईआईएमटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगेश मोहन गुप्ता, प्रति कुलाधिपति डॉ. मयंक अग्रवाल ने किया। राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के लिए तीन पी यानि 'पेशेंस, पर्सिस्टेंस और प्रीजर्वेंस' का मंत्र दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही अगर आप में प्रतिभा है, दृढ़ इच्छाशक्ति है, स्पष्ट दृष्टि और कठिन परिश्रम करने की क्षमता है तो कोई भी आपको आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि अच्छे विचार के साथ आने वाले विद्यार्थियों के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं है।

रक्षा मंत्री ने कहा, आज सेना से जुड़े उपकरण भारत की धरती पर भारत के लोगों और वैज्ञानिको द्वारा बनाए जा रहे हैं। हम उनका केवल उपयोग ही नहीं कर रहे हैं बल्कि दुनिया के दूसरे देशों को भी निर्यात करने का कार्य कर रहे हैं। एक लाख 30 हजार स्टार्टअप देश में काम कर रहे हैं। आज भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। सिंह ने समारोह में 25 मेधावियों को गोल्ड मेडल, प्रमाण-पत्र और उपाधियां प्रदान कीं।

रानी रामपाल को उम्मीद, भविष्य के सितारों को तैयार करेगी महिला हॉकी लीग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि महिला हॉकी इंडिया लीग (डब्ल्यूएचआईएल) खेल पर वैसा ही प्रभाव डाल सकती है जैसा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट पर डाला है।

रांची में 12 से 26 जनवरी तक होने वाले पहले डब्ल्यूएचआईएल में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब भाग लेंगी।

सूरमा क्लब की मेंटर और कोच रानी ने साइ (भारतीय खेल

प्राधिकरण) मीडिया से कहा, ''इस बार केवल चार टीमें हो सकती हैं लेकिन लीग शुरू होने में काफी समय लग गया है। इसके लिए हॉकी इंडिया की सराहना की जानी चाहिए।''

भारत की पूर्व हॉकी कप्तान ने कहा, ''पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो और पेरिस में ओलंपिक में कांस्य पदक जीते। इसकी नींव वर्षों पहले पुरुष हॉकी इंडिया लीग ने रख दी थी।'' उन्होंने कहा, ''अब महिला एचआईएल की शुरुआत के लिए धन्यवाद। इससे 2032 और 2036 ओलंपिक में बहुत सारी प्रतिभाशाली युवा महिला खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा। यह मंच बेहद उपयोगी साबित होगा।''

इस संदर्भ में महिला क्रिकेट का उदाहरण देते हुए रानी ने कहा, ''महिला क्रिकेट के बारे में कोई भी ज्यादा नहीं जानता था, लेकिन अब आप देख रहे हैं कि यह खेल देश में इतना लोकप्रिय कैसे हो गया है। महिला आईपीएल (डब्ल्यूपीएल) से लोगों को इसके बारे में पता चला और उन्होंने इसका अनुसरण करना शुरू कर दिया।''

विश्व चैम्पियन बनाने के लिये भारतीय शिक्षा व्यवस्था में 'खेल पहले' हो : भूटिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने देश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की मांग करते हुए कहा है कि भविष्य में विश्व चैम्पियन तैयार करने के लिये खेलोन्मुखी पाठ्यक्रम बनाया जाना जरूरी है ।

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भूटिया ने इस पर चिंता जताई कि देश की मौजूदा शिक्षा नीतियों में खेलों को उतनी तरजीह नहीं दी गई है जिससे विश्व स्तरीय खिलाड़ी उतने नहीं निकल पा रहे । उन्होंने कार्यक्रम से इतर पीटीआई वीडियो से कहा ,'' मेरा मानना है कि शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर ऐसी शिक्षा व्यवस्था बनानी चाहिये जो खेल नीतियों को बढावा दे ।' उन्होंने कहा ,'' हर बच्चे को डॉक्टर इंजीनियर बनने और पढाई में अच्छा करने के लिये कहा जाता है लेकिन खेलों के अनुकूल व्यवस्था

बननी चाहिये ताकि देश से और विश्व चैम्पियन निकल सकें ।'' भूटिया ने कहा ,'' खेल मंत्री और शिक्षामंत्री को मिलकर इस पर बात करनी चाहिये और यह सुनिश्चित करना चाहिये कि खेल पाठ्यक्रम के प्रमुख विषयों में से एक हो ।''

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने महोत्सव का उद्घाटन किया ।

भूटिया ने कहा ,'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अगुवाई में भारत सरकार ने विकसित भारत को लेकर यह अच्छी पहल की है और इस पर बात करके अच्छा लगा कि खेल देश को कैसे आगे ले जा सकते हैं ।''

सुविचार

एक व्यक्ति चाहे तो दिये की रोशनी में भागवत पढ़ सकता है और दूसरा उसी के प्रकाश में जालसाजी कर रहा हो सकता है ; किन्तु इन सब से दिये को कोई फर्क नहीं पड़ता। सूर्य अपना प्रकाश दुष्ट व्यक्ति और भले व्यक्ति दोनों को देता है।

ट्वीट

डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। डॉ. मनमोहन सिंह जी के कार्यकाल में जब एक डॉलर की कीमत 58-59 रुपये थी, तब नरेंद्र मोदी जी रुपये की कीमत को सरकार की आबरू से जोड़ते थे।

-प्रियंका गांधा वाड्रा

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है।

-नरेन्द्र मोदी

कहानी

अमृत राय

व्यथा का सरगम

गहरी...काली...नीरव... नि:स्तब्ध। केवल दूर पर कुत्तों के भूँकने की आवांज और कुछ गीदड़ों की। मनुष्य की आवांज तो गाने की एकाध कड़ी के रूप में कभी-कभी सुनाई पड़ जाती है, किसी रिक्शेवाले के किसी रोमांटिक फिल्मी गाने की एक कड़ी; वर्ना सन्नाटा। पास के ही किसी घर से शहनाई का व्याकुल स्वर आ रहा है। शहनाई भी अजब बाजा है जो दुख-सुख दोनों में समान रूप से आदमी का साथ देता है। आज न जाने क्यों सुरेश्वर...।

...मगर आप उसे क्या जानें। आपने शायद कभी उसे बीन बजाते नहीं सुना। जब वह आँख बन्द करके बीन के तारों पर अपनी उँगलियाँ दौड़ाने लगता है तो विश्वास ही नहीं होता कि यह सुरेश्वर जो सामने बैठा है, उसकी अभी उठान पर की उम्र है, उसने अभी कुल तीस बसन्त देखे हैं। उसके स्वरों से प्रवाहित होनेवाली व्यथा की उस सरिता में जिसने भी एक बार नहाया उसका रोम-रोम जैसे काँप उठा और उसे लगा मानो अनेक पतझर और शिशिर बजानेवाले की अस्थि और मज्जा में जाकर बस गये हों।

सुरेश्वर रेलवे के एक आफिस में क्लर्क है। रेलों की घड़घड़ाहट और फाइलों की थकान को अपनी बीन के स्वरों में बाँधकर उसने उन्हें नया ही रूप दे दिया है। दिन-भर की दौड़-धूप के बाद रात को यही उसकी शान्ति का निर्झर है, यही उसका सहारा है, कवच है, मानो यह न हो तो दफ्तर की फाइलें उसे खा जाएँगी। रात को अपना कमरा बन्द करके (जिसमें पड़ोसियों की नींद न खराब हो!) वह अकसर बड़ी देर तक बजाता रहता है। रात को इन घड़ियों का एकान्त उसे बहुत प्रिय है। वह चाहता है कि जल्दी ही सो जाऐ जिसमें दूसरे रोंज तक अपनी बीन में खोया रहता है और समझता रहता है कि किसी बिन्दु पर पहुँचकर घड़ी की सुइयाँ अचल हो गयी हैं।....

सो, आज न जाने क्यों सुरेश्वर का मन उदास है। शहनाई का वह पतला स्वर खंजर की तरह उसके दिल के अन्दर उतरता चला जा रहा है। एक अजीब-सी वेदना, एक अजीब-सा दर्द उसे अपने अन्दर समो रहा है। उसकी बीन आज खामोश है। आज तो वह बस सुन रहा है। शहनाई के स्वर की वह बंकिम कटार उसके अन्दर उतरती ही चली जा रही है। सुरेश्वर जानना चाहता है कि अपने उतार और चढ़ाव में वह उससे क्या कहना चाहती है, पीड़ा की वह कौन-सी अतल गहराई है जिसे छू लेने का उसने संकल्प किया है। शहनाई का स्वर उसके गहरे से गहरे मन में एक अत्यन्त सुन्दरी पार्वत्य युवती का आकार ग्रहण कर रहा है। यह युवती किसी क्रूर दैत्य द्वारा शापित है, उसका सखा खो गया है, उसके परिजनों ने उसे छोड़ दिया है और उसे अकेले ही अपनी व्यथाओं का पर्वत ढोना है। उसकी मुखश्री तुहिनस्नात मटर के फूल के समान है, उसके कपड़े हिम के सदृश धवल हैं। पर उसकी मुखमुद्रा को जैसे किसी गहरी उदासी का धुआँ लग गया हो।

...शहनाई के स्वर को इस मानव-चित्र में बदलकर सुरेश्वर उसी को देखता हुआ खोया-सा, ठगा-सा बैठा था। हठात जैसे किसी ने उसके कन्धे पकड़कर उसे झझोड़ा और होश में ला दिया। और तब उसे पता चला कि वह अपने-आपको छल रहा था। जो मानस-चित्र उसकी आँखों के आगे आ रहा है वह शहनाई के स्वर का चित्र नहीं है, मांस-मज्जा की एक वास्तविक तरुणी का चित्र है जिसे उसने आज ही शरणार्थियों की गाड़ी से उतरते देखा है। वह हजारा जिले की एक सीमान्तदेशीय हिन्दू पठान तरुणी का चित्र है...जब शहनाई ने किसी भयानक दर्द को अपने स्वरों में बाँधने की कोशिश की तो वह व्यथा-सुन्दरी आपसे-आप उसकी आँखों के आगे आ गयी, समुद्र के फेन से निकलती हुई वीनस के समान...

...हाँ, सचमुच वीनस...उर्वशी...तक्षशिला की सुन्दरी...सरो के पेड़ की-सी सुघड़ लम्बाई, स्वस्थ यौवन से भरपूर छरहरा शरीर, सीमांत के कागजी बादाम जैसी ही आँखें, चन्दन-सा गौर, सुसंस्कृत मुखमंडल, लम्बी-सी वेणी। मगर सबके ऊपर अंगराग के स्थान पर उदासी का एक गहरा लेप जो चेहरे के भाव को आमूल बदल देता है। उसे देखकर कोई उच्छृंखल भाव जैसे पास पर भी नहीं मार सकता; देखने के साथ ही उसे लगातार देखते रहने की इच्छा होती है, एकटक, मगर उसके साथ ही साथ पूरे वक्त जैसे कोई भीतर बैठा एक बड़ी तकलीफदेह कड़ी गुन-गुनाता रहता है...

सुरेश्वर ने आज ही तो उनके रहने की जगह देखी। धन्य भाग जो दूसरा महायुद्ध हुआ, वर्ना न लड़ाई होती, न मिलिटरी की बारकें बनतीं और न आज मनुष्य की पशुता से भागकर शरण माँगनेवालों को टिकने का कहीं कोई ठिकाना होता! शरणार्थियों को ये बनी-बनायी बारकें यों मिल गयी गोया इन्हीं के लिए बनाई गयी हों। इन्हीं बारकों में अपने घरबार, खेती-किसानी, दुकानदारी से उखड़े हुए लोग अपना सारा सामान लिये-दिये पड़े थे। टीन के बड़े बक्स, मँझोले बक्स, छोटे बक्स, खाटों के पाये-पाटियाँ, सुतली या बाध, सब अलग-अलग मोड़कर रखी हुईं; चटाइयाँ, एकाध बाल्टी, लोटा, थाली, कनस्तरकिसी-किसी के पास अपना हुएका भी। यही उनकी सारी गिरस्ती थी। इसी गिरस्ती के घिरे-बँधे वे इस नई दुनिया में अपने लिए जगह बना रहे थे। बीविया कुएँ से पानी ला रही थीं या रोटी पका रही थीं और बच्चे धूल में सने, कुछ सहमे-सहमे-से खेल रहे थे, लोहता की खाक का मिलान हजारा की खाक से करके यह पता लगा रहे थे कि पशुता के कीटाणु कहाँ ज्यादा हैं और अपने जेहन से उन डरावनी शक्लों को निकालने की कोशिश कर रहे थे जिन्होंने उनकी नादान जिन्दगी को भी चारों तरफ से डर की रस्सियों से कस दिया था।

यहीं इसी नई दुनिया में उस शाम को सुरेश्वर ने उस व्यथा-सुन्दरी को हलके-हलके रोटी सेंकते देखा था...

...और उसकी विपत्ति की कहानी सुनी थी एक ऐसे आदमी से जो बन्नो की पुरानी दुनिया में भी उसका पड़ोसी था और आज इस नई दुनिया में भी, जिसकी दीवार उठ ही न पाती थी, क्योंकि वह आदम के बच्चे को हाड़तोड़ ईमानदार मेहनत की पुंख्ता नींव पर नहीं बल्कि पब्लिक की दया की थोथी भुस-भुसी नींव पर आधारित थी। सुरेश्वर के यह पूछने पर कि उन्हें यहाँ कैसा लगता है, जिला हजारा की रहनेवाली उस व्यथा-सुन्दरी बन्नो के पड़ोसी उस अधेड़ आदमी ने जो बात कही थी वह सुरेश्वर को भूलती नहीं 'किसी की भीख के टुकड़े पर जिन्दा रहने से ज्यादा लानत की बात दूसरी नहीं होती, बाबूजी!' उसी से सुरेश्वर को यह भी पता लगा था कि बन्नो की शादी हाल ही में हुई थी, उसी गाँव में, जब कि मारकाट शुरू हुई। उसके आदमी को कातिलों ने नेजा भोंककर मार डाला और इसे उठाकर ले गये। फिर बन्नो ने वहाँ क्या देखा और कैसे एक रात जान पर खेलकर वह भाग निकली और छुपते-छुपते दूसरे भागनेवालों के संग जा मिली, इसकी एक काफी साहसिक कहानी थी।

वह अधेड़ आदमी जब शाम के धुँधलके में एक छोटी-सी चारपाई पर बैठा वह किस्सा सुना रहा था, उस वक्त उसकी नायिका बन्नो इतने भयानक अनुभवों, पीड़ाओं और साहस को अपने उस नाजुक शरीर में समेटे खामोशी के संग रोटियाँ सेंक रही थी। उसी खामोशी से अपनी तकलींफों को सहते-सहते वह कुछ-कुछ विक्षिप्त-सी हो गयी थी, बोलने या हँसने में भी अब शायद उसे तकलीफ होती थी। उस दुनिया की तमाम और चीजों के संग जिनमें उसकी असमत और उसका पहरेदार भी था, उसका बोलना और हँसना भी जलकर राख हो गया था। पाँच हंजार या पचास हंजार साल पहले आये भूडोल में उसकी जिन्दगी के बिना पलस्तर के, टूटे हुए मकान में (अभी उसकी शादी को हुए ही कै दिन हुए थे!) उसकी उमंगों के पंछी भी जहाँ-तहाँ मरे पड़े थे; जो कभी सर्द लाशें थीं वही अब ठठरियाँ हो गयी थीं और शीशे की तरह चमकीले किसी पत्थर में गोया हँसी बीच में ही रुक गयी थी, मुँह खुला का खुला ही रह गया था।

बारक के पास ही कुआँ था। कुएँ के पास ही एक कोठरी-सी थी। पता नहीं, लड़ाई के दिनों में वह किस काम में आती थी, अब तो वह खाली पड़ी रहती है, लड़के दिन के वंएत उसमें लुकते-छिपते हैं।

आज शाम के साढ़े सात बजे उसमें अचानक बड़ी जान आ गयी थी। बन्नो पानी भरने गयी तो थोड़ी दूर पर ही उस कोठरी से उसे किसी के चीखने या चीख के जबर्दस्ती रुँध दिये जाने की हलकी-सी आवांज आयी, हलकी मगर पैनी। कुछ मर्द आवाजों की फुसफुसाहट भी उसके कानों में पड़ी। उसने तय किया कि पता लगाना चाहिए। पानी लेकर लौटी। पानी रखा। एक ताक पर से अपना खंजर उठाया और चली।

वह कोई दस गज की दूरी पर रही होगी जबकि कोठरी में से किसी आदमी ने कुछ खोजने के लिए एक दिया-सलाई जलायी जो भक से बुझ भी गयी।

बन्नो ने देखा कि चार-पाँच आदमियों ने एक नौजवान लड़की को जमीन पर दाब रखा है, लड़की चित लेटी हुई है या लिटायी हुई है, उसके तन पर एक भी कपड़ा नहीं है, दो-तीन जवान उसके हाथ-पाँव कसे हुए हैं और वह मादरजाद नंगी लड़की छटपटा रही है...

कुछ खास जोशीले 'शरणार्थी' नौजवानों के एक गिरोह ने आज शिकार किया था। उनका खून भी खून है, पानी नहीं, उन्हें बदला लेना आता है, वह अपनी जिल्लत का बदला लेंगे, अपने धर्म की किसी लड़की की लुटी हुई अस्मत का बदला वो दुश्मन की लड़की की अस्मत लूटकर चुकाएँगे।

पास के एक गाँव से पाँच-छ: नौजवान कुछ चोरी और कुछ सीना-जोरी (यानी एक-दो आदमियों को घायल करके) एक लड़की को उठा लाये थे और इस वंएत बारी-बारी से उसकी अस्मत लूटकर न सिर्फ अपने वहशीपन को खुराक पहुँचा रहे थे बल्कि उसके साथ-ही-साथ अपनी कौम की खिदमत भी कर रहे थे।

एक लमहे को जो दियासलाई जली थी उसमें बन्नो ने इन कौम के खादिमों को अपने कर्तव्य में रत देख लिया।

उसे बात समझने में जरा भी देर नहीं लगी। एक तो स्थिति यों ही दियासलाई की लाल-सी रोशनी में इनसान की हैवानियत की तरह स्पष्ट थी, दूसरे बन्नो...उसे भी एया कुछ बतलाने की जरूरत थी। वह जो कि खुद ऐसे ही एक नाटक की नायिका रह चुकी थी!

बन्नो के भीतर बैठे हुए पशु की आत्मा को गम्भीर सन्तोष मिला, गहरी तृप्ति का सुख...इसे ऐसे ही चीर डालना चाहिए...इसी का खुदा उन जानवरों का भी खुदा है...इसे यों ही चीर डालना चाहिए... बन्नो के भीतर ही भीतर पैशाचिक उल्लास की लहर दौड़ गयी।

मगर कोई डेढ़-दो मिनट के अन्दर ही एक विचित्र मरोड़ के साथ एक दूसरी लहर उठी .साँप काटने पर आदमी को जो लहर आती है वह लहर, उसमें झाग निकलती है!

बन्नो को लगा कि जैसे वह एक बड़े आईने के सामने हो। जो लड़की जमीन पर मादरजाद नंगी, चित लेटी है वो वही है, बन्नो, उसी को आधी दर्जन बाँहें जमीन से चिपकाये हुए हैं और भेड़ियों जैसी भूखी-भूखी ये आँखें वही हैं जो पहले भी उसे यों ही घूर चुकी हैं...

'कौन है, कौन है, यहाँ एया हो रहा है?' चिल्लाती हुई वह खंजर हाथ में लिए तेजी से कोठरी में दांखिल हुई। अन्दर खलबली मच गयी। एक-दो ने पहले भागने की कोशिश की, मगर फिर सबने यही तय किया कि देखना चाहिए मांजरा एया है, हमारे काम में खलल डालनेवाला यह कौन-सा शैतान जमीन पर उतर आया।

बन्नो ने एक-दो जवानों पर हमला किया, मगर वे सधे हुए खिलाड़ी थे, बच गये और बन्नो की तरफ लपके कि उसके हाथ से खंजर छीन लें, मगर इसके पहले कि वे ऐसा कर पाएँ, बन्नों ने बिजली की तेजी से दौड़कर उस लड़की के पेट में खंजर भोंक दिया था और वही खंजर अपने सीने में चुभा लिया था।

('हिन्दी समय' से साभार)

बन्नो को लगा कि जैसे वह एक बड़े आईने के सामने हो। जो लड़की जमीन पर मादरजाद नंगी, चित लेटी है वो वही है, बन्नो, उसी को आधी दर्जन बाँहें जमीन से चिपकाये हुए हैं और भेड़ियों जैसी भूखी-भूखी ये आँखें वही हैं जो पहले भी उसे यों ही घूर चुकी हैं... 'कौन है, कौन है, यहाँ एया हो रहा है?' चिल्लाती हुई वह खंजर हाथ में लिए तेजी से कोठरी में दांखिल हुई। अन्दर खलबली मच गयी। एक-दो ने पहले भागने की कोशिश की, मगर फिर सबने यही तय किया कि देखना चाहिए मांजरा एया है, हमारे काम में खलल डालनेवाला यह कौन-सा शैतान जमीन पर उतर आया।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

किमाश्चर्यमतः परम् !

देख रहा हूँ कि एक चिड़िया दाना चुग रही है। एक दाना चोंच में लेने से पहले चारों तरफ चौकन्ना होकर देखती है, कहीं किसी शिकारी के वेश में काल तो घात लगाये नहीं बैठा। हर दाना चुगने से पहले, हर बार न्यूनाधिक यही प्रक्रिया अपनाती है। माना जाता है कि पशु-पक्षी बुद्धि तत्व में विपन्न हैं पर जीवन के सत्य को सरलता से स्वीकार करने की दृष्टि से वे सम्पन्न हैं। मनुष्य में बुद्धितत्व विपुल है पर सरल को जटिल करना, भ्रम में रहना, मनुष्य के स्वभाव में प्रचुर है।

मनुष्य की इसी असंगति को लेकर यक्ष ने युधिष्ठिर से प्रश्न किया था,

दिने दिने हि भूतनि प्रविशन्ति यमालयम।
शेषास्थावरमिच्छन्ति किमाश्चर्यमतः परम।।

अर्थात प्रतिदिन ही प्राणी यम के घर में प्रवेश करते हैं, तब भी शेष प्राणी अनन्त काल तक यहाँ बने रहने की इच्छा करते हैं। क्या इससे बड़ा कोई आश्चर्य है? युधिष्ठिर ने प्रश्न में ही उत्तर ढूँढ़कर कहा था,

अहन्यहनि भूतानि गच्छन्तीह यमालयम।
शेषाः स्थावरमिच्छन्ति किमाश्चर्यमतः परम ।।

अर्थात प्रतिदिन ही प्राणी यम के घर में प्रवेश करते हैं, तब भी शेष प्राणी अनन्त काल तक यहीं बने रहने की इच्छा करते हैं। क्या इससे बड़ा कोई आश्चर्य हो सकता है? सचमुच इससे बड़ा आश्चर्य क्या हो सकता है कि लोग रोज़ मरते हैं पर ऐसे जीते हैं जैसे कभी मरेंगे ही नहीं। हास्यास्पद है कि पर मनुष्य चोर-डाकू से डरता है, खिड़की-दरवाज़े मज़बूत रखता है पर किसी अवरोध के बिना कहीं से किसी भी समय आ सकनेवाली मृत्यु को भूला रहता है।

संभवत: इसका कारण ज़ंग लगना है। जैसे लम्बे समय एक स्थान पर पड़े लोहे में वातावरण की नमी से ज़ंग लग जाती है, वैसे ही जगत में रहते हुए मनुष्य की बुद्धि पर अहंकार की परत चढ़ जाती है। सामान्य मनुष्य की तो छोड़िए, अपने उत्तर से यक्ष को निरुत्तर करनेवाले धर्मराज युधिष्ठिर भी इसी ज़ंग का शिकार बने। हुआ यूँ कि महाराज युधिष्ठिर राज्य के विषयों पर मंत्री से गहन विचार- विमर्श कर रहे थे। तभी अपनी शिकायत लेकर एक निर्धन ब्राह्मण वहाँ पहुँचा। कुछ असामाजिक तत्वों ने उसकी गाय छीन ली थी। यह गाय उसके परिवार की उदरपूर्ति का मुख्य स्रोत थी।

महाराज ने उससे प्रतीक्षा करने के लिए कहा। अभी मंत्री से चर्चा पूरी हुई भी नहीं थी कि किसी देश का दूत आ पहुँचा। फिर नागरी समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल आ गया। तत्पश्चात सेना से सम्बंधित किसी नीतिविषयक निर्णय के लिए राज्य के सेनापति, महाराज से मिलने आ गए। दरबार के काम पूरे कर महाराज विश्राम के लिए निकले तो निर्धन को प्रतीक्षारत पाया। उसे देखकर धर्मराज बोले, आपको न्याय मिलेगा पर आज मैं थक चुका हूँ। आप कल सुबह आइएगा। निराश ब्राह्मण लौट पड़ा। अभी वापसी के लिए चरण उठाये ही थे कि सामने से भीम आते दिखाई दिए। सारा प्रसंग जानने के बाद भीम ने ब्राह्मण से प्रतीक्षा करने के लिए कहा। तदुपरांत भीम ने सैनिकों से युद्ध में विजयी होने पर बजाये जानेवाले नगाड़े बजाने के लिए कहा। उस समय राज्य की सेना कहीं किसी तरह का कोई युद्ध नहीं लड़ रही थी। अत: नगाड़ों की आवाज़ से आश्चर्यचकित महाराज युधिष्ठिर ने भीम से इसका कारण जानना चाहा। भीम ने उत्तर दिया, महाराज युधिष्ठिर ने एक नागरिक को उसकी समस्या के समाधान के लिए कल आने के लिए कहा है। इससे सिद्ध होता है कि महाराज ने जीवन की क्षणभंगुरता को परास्त कर दिया है तथा काल पर विजय प्राप्त कर ली है।

महाराज युधिष्ठिर को अपनी भूल का ज्ञान हुआ। ब्राह्मण को तुरंत न्याय मिला। हर क्षण मृत्यु का भान रखने का अर्थ जीवन से विमुखता नहीं अपितु हर क्षण में जीवन जीने की समग्रता है। अपनी कविता 'चौकन्ना' स्मरण हो आती है-

सीने की / ठक-ठक / के बीच
कभी-कभार / सुनता हूँ
मृत्यु की भी / खट-खट,
ठक-ठक.. / खट-खट..,
कान अब / चौकन्ना हुए हैं
अन्यथा / ठक-ठक और /
खट-खट तो / जन्म से ही /
चल रही हैं साथ / और अनवरत..,
आदमी यदि / निरंतर /सुनता रहे /
ठक-ठक / खट-खट / साथ-साथ,
बहुत संभव है / उसकी सोच / निखर जाए,
खट-खट तक / पहुँचने से पहले
ठक-ठक / सँवर जाए..!

मनुष्य यदि ठक-ठक और खट-खट में समुचित संतुलन बैठा ले तो संभव है कि भविष्य के किसी यक्ष को भविष्य के किसी युधिष्ठिर से यह पूछना ही न पड़े कि किमाश्चर्यमतः परम !

बोध कथा

चींटी और कबूतर

एक बार की बात है। एक जंगल में एक पेड़ पर चींटी नीचे उतर रही थी तभी वह पेड़ से नीचे सीधे फिसल कर तालाब में गिर गई। उसे चींटी को गिरते हुए उस पेड़ पर रहने वाले कबूतर ने देख लिया। चींटी तालाब में गिरने के बाद बचने के लिए बहुत हाथ पैर मारने लगी। कबूतर ने चींटी की मदद करने के लिए पेड़ पर से एक पत्ता तोड़कर पानी में फेंक दिया। चींटी उस पत्ते पर चढ़कर आराम से तैरती हुई किनारे तक आ गई। उसने कबूतर का बहुत-बहुत धन्यवाद किया। इसी तरह समय बितता गया और एक दिन उस जंगल में पक्षियों को पकड़ने वाला एक शिकारी आया। शिकारी ने पेड़ पर बैठे उस कबूतर को देख लिया। उसने कबूतर को पकड़ने के लिए जमीन पर कुछ दाने फेंके और दानों के ऊपर अपना जाल बिछा दिया।

शिकारी को ऐसा करते हुए चींटी ने उसे देख लिया। जैसे ही कबूतर दाना खाने के लिए पेड़ से नीचे उतरा चींटी ने जल्दी से जाकर शिकारी के पैर पर जोर से काट लिया। चींटी के काटने से शिकारी जोर से चिल्लाया। शिकारी के चिल्लाने की आवाज सुनकर कबूतर सतर्क हो गया और वह दूसरी दिशा में उड़ गया। इस तरह चींटी ने कबूतर की जान शिकारी से बचा ली।

वीर गाथा

कैप्टन उपमन्यु सिंह: हर मोर्चे पर हमेशा रहे आगे, हर चुनौती को स्वीकार किया

कैप्टन उपमन्यु सिंह का जन्म 8 फरवरी, 1982 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। वे बचपन से ही बहुत साहसी थे। उन्होंने अपनी शिक्षा ग्वालियर से प्राप्त की और साल 2005 में संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा पास की थी।

उपमन्यु को आर्मर्ड कोर में नियुक्त किया गया था। उन्हें अपनी पहली नियुक्ति पठानकोट में मिली थी। इसके बाद उन्हें जम्मू-कश्मीर भेज दिया गया, जहां पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की जा रही थी। वहां उपमन्यु ने अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। कैप्टन उपमन्यु की सैन्य क्षमताओं को देखते हुए उन्हें 22 आरआर में नियुक्त किया गया, जिसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में जबर्दस्त महारत हासिल है। वहां भी उपमन्यु हर मोर्चे पर हमेशा आगे रहे और हर चुनौती को स्वीकार किया।

कैप्टन उपमन्यु दिसंबर 2010 में अपनी यूनिट के साथ बारामूला जिले के सोपोर में तैनात थे। सात दिसंबर को यूनिट को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि सोपोर के मॉडल टाउन इलाके में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सेना के उच्चाधिकारियों ने सूचना का विश्लेषण करने के बाद उपमन्यु को जिम्मेदारी सौंपी कि वे ऑपरेशन का नेतृत्व करें।

कैप्टन उपमन्यु के नेतृत्व में साथी जवान उस इलाके में पहुंच गए और घेराबंदी शुरू कर दी थी। उस दौरान पता चला कि आतंकवादियों ने एक मकान में अपना ठिकाना बना रखा है। उपमन्यु ने आगे बढ़कर आतंकवादियों पर धावा बोला। उन्होंने अपने साथियों की सुरक्षा का खास ध्यान रखा और आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इसके बावजूद उन्होंने अपने जवानों को आदेश देना जारी रखा। उस ऑपरेशन में सभी आतंकवादियों का खात्मा कर दिया गया, लेकिन उपमन्यु भारत मां के लिए बलिदान हो गए। एक वीर योद्धा, शानदार नेतृत्वकर्ता और दृढ़ निश्चयी अधिकारी कैप्टन उपमन्यु सिंह को सेना मेडल से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

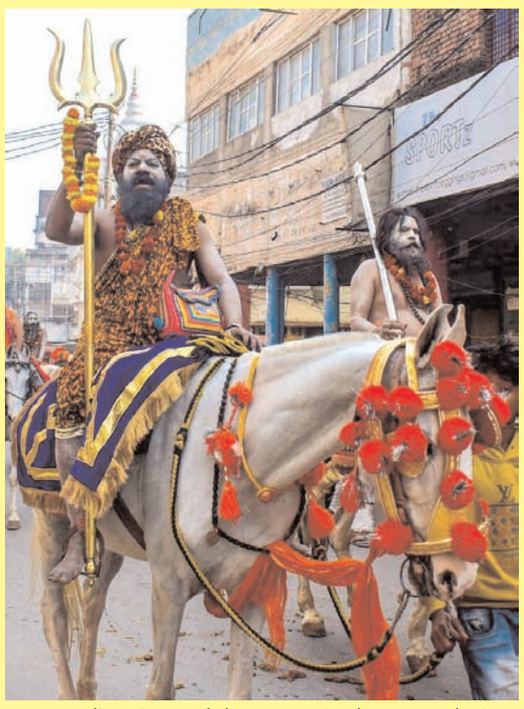

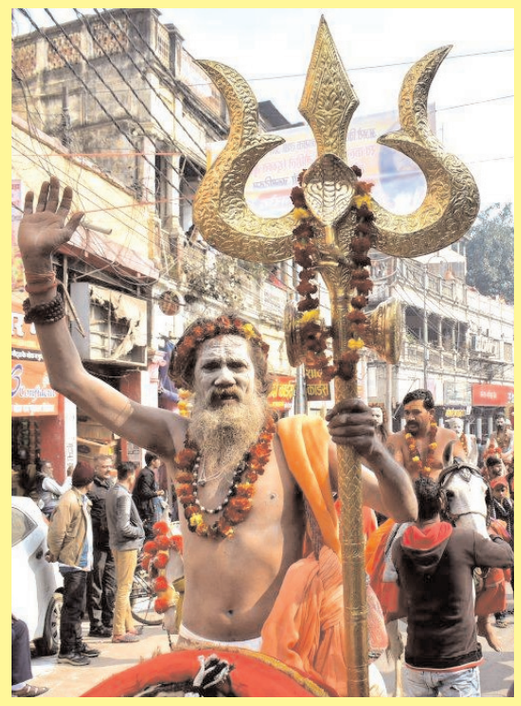

प्रयागराज में आनंद अखाड़े के साधु महाकुंभ मेला 2025 के लिए 'छावनी प्रवेश' धार्मिक जुलूस में भाग लेते हुए। प्रयागराज में शनिवार को गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम की ओर उनके औपचारिक प्रवेश को चिह्नित करता है।

अयोध्या में राममंदिर में प्राणप्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर पूरे श्द्धालु इस पवित्र नगरी आ रहे हैं और उनमें इसको लेकर काफी उत्साह है। तीन दिवसीय समारोह शनिवार को यजुर्वे

हजारों लोग निकटवर्ती एवं दूर-दूर से शहर में आ चुके हैं,तथा 11 से 13 जनवरी के बीच तीन दिनों तक आयोजित सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों को

राममंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र भीड़ भगवान राम के प्रति अपार आस्था विभिन्न वर्गों के लोग भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अत्यंत प्रसन्न हैं। वे भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पूरे उत्साह के साथ मना रहे हैं। यहां पूरी तरह से हर्षोल्लास का माहौलहै।''

अयोध्या केमेयर को सौभाग्यशाली फ्हसूस , औसतन प्रतिदिन 1.5 लाख लोग आ रहे हैं

और इन तीन दिनों , यहा आ रहे लोगों कीसंख्या में औरवृद्धि होने कीसंभावना है।

संपर्क मंजिल पूरी हो गई हैं। मंदिर के शिखर पर काम जारी है और वह भी लगभग है।''

मिश्रा ने कहा, ''मंदिर में आने वाले श्द्धालुओं की भारी भीड़ उनकी भक्ति को ने भगवान रामलला के दर्शन किए हैं। आज माहौल में उत्साह है।''

अयोध्या में तुलसी उद्यान के पास रहने वाले रजत सिंह बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, ''हर साल हम अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों औररिश्तेदारों की सालगिरह मनाते हैं। मुझे लगता ह षश्र प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। यह दिन मेरे औरपरिवार के सदस्यों के लिए एक विशेष दिन है, क्योंकि हमने खुशी से 'प्राण प्रतिष्ठा' ि

लखनऊ स्थित महापुरुष स्मृति संस्थान के प्रमुख भरत सिंह ने कहा, ''यह निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूरा हो गयाहै। भगवान राम फैले करोड़ों भक्तों के लिए आशा और आस्था के प्रतीक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का नाम लेने से लोगों को अपार शांति, संतुष्टि औरशक्ति मिलती है और आने वाली पीढ़ियां भी ऐसा करती रहेंगी।''

में उन लोगों को शामिल करने का लक्ष्य है जो पिछले साल ऐतिहासिक समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे, साथ ही, करीब 110 आमंत्रित वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने पहले कहा था, ''ट्रस्ट ने आम लोगों को आमंत्रित करने का फैसला कियाहै जो पिछले साल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। उन्हें अंगद टीला में तीनों दिन के कार्यक्रमों , शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।''

ट्रस्ट ने कहा कि 110 वीआईपी समेत मेहमानों को निमंत्रण पत्र दिए गए हैं, जो 22 जनवरी, 2024 को मूल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। राय ने पहले कहा था, ''जो लोग पिछले साल शामिल नहीं हो पाए थे, उन्हें इस वर्षगांठ समारोह में शामिल किया जाएगा।''

महाकुंभ : शिव तांडव स्तोत्र पर लाइव प्रस्तुति देंगी अदा शर्मा

प्रयागराज/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री की टैलेंटेड अभिनेत्री अदा शर्मा महाकुंभ में शिव तांडव स्तोत्रम पर अपनी लाइव प्रस्तुति देंगी। अदा शर्मा पहली बार कुंभ जा रही हैं। बता दें, महाकुंभ मेले की शुरुआत बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और शंकर महादेवन, कैलाश खेर, हरिहरन, मोहित चौहान जैसे अन्य सितारों के साथ होगी। महाकुंभ में प्रस्तुति देने वाले सितारों की लिस्ट में अभिनेत्री अदा शर्मा का भी नाम शामिल हो चुका है। लाइव प्रस्तुति के दौरान वह शिव तांडव स्तोत्र का जाप करेंगी। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर लेटेस्ट पोस्ट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम हैंडल पर अभिनेत्री ने लाइव जाप करते हुए एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह आंख बंद करके शिव तांडव का पूरा पाठ करती नजर आई थीं। अभिनेत्री का वीडियो वायरल हो गया था। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए शूटिंग के पीछे की झलक दिखाई थी। इंस्टाग्राम पर वीडियो को शेयर कर 'उन्होंने लिखा, मैं उन लोगों में से नहीं, जिसे धूम्रपान पसंद है, लेकिन मैं अपने प्यार के लिए ये पसंद करती हूं। (यहां प्यार सिनेमा के लिए है) रीता सान्याल। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सिगरेट-धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। कार्बन मोनो ऑक्साइड का धुआं भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, का भी जक्रि कयिा था। अदा शर्मा की गिनती उन अभिनेत्रियों में की जाती है, जो सोशल मीडिया पर फैंस के साथ नए पोस्ट के साथ अपडेट रहती हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें वह वर्कआउट करती नजर आई थीं। वीडियो शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा था, वर्कआउट के बीच कुछ ध्यान वाली चीजें भी अच्छी हो सकती हैं। आज सेलिब्रेशन! क्योंकि यह बेबी खारुताई (गिलहरी) है, जो मुझसे बहुत डरती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे वह मुझ पर भरोसा करने लगी है। पहले वह मुझसे इतना डरती थी कि मुझे दूर खड़ा देखकर भी भाग जाती थी।

शरीर साथ देगा, तो मैं काम करूंगी : हिना खान

मुंबई/एजेन्सी

स्तन कैंसर से जूझ रही टेलीविजन अभिनेत्री हिना खान का कहना है कि 2024 और 2025 के बीच सिर्फ इतना फर्क आया कि वह पहले से ज्यादा मजबूत हो गई हैं। हिना ने जुलाई 2024 में सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर तीसरे चरण के कैंसर से पीड़ित होने की जानकारी दी थी। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'कसौटी जिंदगी की- 2' जैसे धारावाहिक से लोकप्रिय हुईं 37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि खुद को सामान्य रखने के लिए वह उपचार के दौरान भी पेशेवर रूप से सक्रिय रहीं। 'पीटीआई-वीडियो' को दिए साक्षात्कार में हिना ने कहा, मैं अब भी वही हिना हूं। पुरानी हिना जो साहसी और मजबूत थी और यह हिना भी बेहद मजबूत और साहसी है। वास्तव में, मैं और मजबूत हो गई हूं। उन्होंने कहा, इस पूरे साल के दौरान मैं काम करती रही। मैंने इसे (कैंसर के निदान) सामान्य मानने और खुद को सामान्य महसूस कराने पर ध्यान दिया। अपनी कीमो (कैंसर के उपचार की प्रकिया) शुरू कराने के बाद से ही मैं काम कर रही थी, शूटिंग में व्यस्त थीं, घूमने-फिरने जा रही थी और डबिंग पूरी कर रही थी। मैंने 'रैंप वॉक' किया... मैंने अपना उपचार पूरा किया और यहां (साक्षात्कार के लिए) आई। अगर मेरा शरीर साथ देता है, तो मैं (काम) करूंगी। खान ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रशंसकों और अन्य से जो प्यार और सहयोग मिला, उसका आभार व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'गृह लक्ष्मी' में नजर आएंगी।

'द रोशंस' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

डॉक्यूमेंट्री-सीरीज 'द रोशंस' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। द रोशंस में रोशन परिवार की सिनेमा यात्रा के बारे में नई जानकारी दी जाएंगी। यह सीरीज रोशन परिवार की तीन पीढ़ियों के योगदान और उनके सिनेमा के प्रति समर्पण को लोगों तक पहुंचाने का काम करेगी। द रोशन्स में रौशन उनके पुत्र राकेश रौशन और राजेश रोशन और पोते ऋतिक रोशन की जर्नी को दिखाया जायेगा। 'द रोशन्स' ट्रेलर की शुरुआत रोशन लाल नागरथ के बनाए बेहतरीन क्लासिक्स गीतों से होती है। रोशन के पोते ऋतिक रोशन अपने दादा जी गीत सुनते हुए, उनको याद करते हैं।

ट्रेलर में ऋतिक बताते हैं कि रोशन सरनेम से पहले उनका कुछ और सरनेम था।ऋतिक बोलते हैं कि उनके दादा जी का नाम था रोशन लाल नागरथ। ये बहुत ही इंट्रेस्टिंग स्टोरी है कैसे हमारा सरनेम नागरथ से रोशन बना। रोशन परिवार के बारे में इस सीरीज में कई बॉलीवुड सितारे अपने मन के भाव साझा करते हुए नजर आए। इनमें आशा भोंसले, शत्रुध्न सिन्हा,जावेद अख्तर,प्रेम चोपड़ा,अनिल कपूर, संजय लीला भंसाली, शाहरूख खान, अनु मल्लिक, सोनू निगम,प्रियंका चोपड़ा,अभिषेक बच्चन, रणबीर कपूर समेत अन्य शामिल हैं। शशि रंजन निर्देशित-सह निर्मित और राकेश रोशन निर्मित प्रोड्यूस डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'द रोशन्स' का 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा।

मैं ट्रंप को हरा देता लेकिन पार्टी की एकजुटता की खातिर पीछे हटा: बाइडन

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह नवंबर में हुए आम चुनावों में ट्रंप को हरा देते लेकिन उन्होंने डेमोक्रिटिक पार्टी की एकजुटता की खातिर चुनाव के बीच उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया। बाइडन से शुक्रवार को यहां व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया, राष्ट्रपति महोदय, क्या आपको चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर खेद है? क्या आपको लगता है कि आपने अपने पूर्ववर्ती (ट्रंप) को अपना उत्तराधिकारी बनने का आसान मौका दिया? इसपर बाइडन ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं ट्रंप को हरा देता, हरा सकता था। मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रंप को हरा सकती थीं।'' उन्होंने कहा, पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। जून में अटलांटा में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच हुई 'डिबेट' में बाइडन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं था।

'पॉवर ऑफ पांच' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनी एकता आर कपूर निर्मित, सीरीज पॉवर ऑफ़ पांच का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पंचगिरी की पृष्ठभूमि पर आधारित, पॉवर ऑफ़ पांच बेला (रीवा अरोड़ा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक छोटी लड़की है, जो अपनी अलग हो चुकी मां की तलाश में उसे अनदेखे जादू और चौंकाने वाले टकरावों के दायरे में ले जाती है, जिसमें अलौकिक तत्व भी शामिल हैं। पॉवर ऑफ पांच में रीवा अरोड़ा, आदित्य राज अरोड़ा, जयवीर जुनेजा, बियांका अरोड़ा, यश सहगल, उर्वशी ढोलकिया, बरखा बिष्ट, तन्वी गडकरी, अनुभा अरोड़ा, उमर कंधारी, सागर ढोलकिया, पंकज विष्णु और इंदर बाजवा जैसे कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज 17 जनवरी, 2025

से केवल डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

उर्वशी ढोलकिया ने कहा, एकता के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है, जिनके साथ मेरा एक पुराना और खास जुड़ाव है। उनके पास ऐसे किरदार बनाने की एक सहज क्षमता है जो भरोसेमंद होने के साथ-साथ प्रभावशाली भी हों, और पॉवर ऑफ पांच में मेरी भूमिका कोई अपवाद नहीं है। एक कलाकार के रूप में, मैंने हमेशा मजबूत और विविध पात्रों को आवाज देने में विश्वास किया है।

बरखा बिष्ट ने कहा, पावर ऑफ़ पाँच का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। यह शो उन विषयों की खोज करता है जो सभी के साथ गहराई से जुड़ते हैं। यह एक ऐसी कहानी है जो रोमांच, भावनाओं और रिश्तों को इतनी खूबसूरती से मिलाती है कि मैं इसमें गोता लगाने का इंतजार नहीं कर सकती थी। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना सेट पर हर पल को वाकई खास बनाता है। एक टीम के रूप में, हम बस उम्मीद करते हैं कि हम डिज्नी+ हॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म के समर्थन से बड़े दर्शकों से जुड़ सकें। यश सहगल ने कहा, एक युवा अभिनेता के रूप में, पावर ऑफ़ पाँच का हिस्सा बनना एक सपने के सच होने जैसा है। शो ने मुझे अविश्वसनीय गहराई और चुनौतियों वाले किरदार को तलाशने का मौका दिया और इसने मुझे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।मैं दर्शकों को इस अनोखी कहानी का अनुभव कराने के लिए बेहद उत्साहित हूँ जो एक्शन, इमोशन और दिल से भरी हुई है।

रीवा अरोड़ा ने कहा, सुपरपावर वाले ऐसे किरदार को निभाना हमेशा से मेरे दिमाग में था, जो खुद से भी जुड़ा हुआ हो।यह एक ऐसा शो है जो न केवल मनोरंजन करेगा बल्कि दर्शकों को उनके रिश्तों, दोस्ती और आंतरिक शक्ति पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे उम्मीद है कि पॉवर ऑफ़ पांच दर्शकों के साथ उससे भी ज़्यादा समय तक रहेगा, जितना हमने कभी सोचा भी नहीं था।

फौजी तथा शिक्षिका के फर्ज और जिम्मेदारी पर आधारित फिल्म 'अक्षरा' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार अभिनेत्री अक्षरा सिंह की देशभक्ति से परिपूर्ण भोजपुरी फिल्म 'अक्षरा' रिलीज हो गयी है। फिल्म अक्षरा को वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फौजी तथा शिक्षिका के फर्ज और जिम्मेदारी पर आधारित फिल्म 'अक्षरा' में केंद्रीय भूमिका में जहां शिक्षिका के रूप में अक्षरा सिंह साक्षरता अभियान को बढ़ावा देती है तो वहीं देश की रक्षा में तैनात फौजी के रूप में अंशुमान मिश्रा देश के प्रति हर नागरिक के फर्ज और समर्पण को बल देते हैं। इस फिल्म में अक्षरा सिंह ने एक ऐसी शिक्षिका का किरदार निभाया है, जो सरकारी स्कूल में हर बच्चों को साक्षर और निर्भर बनाने का काम कर रही है तो वहीं आसामाजिक तत्वों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए लेडी सिंघम की तरह जोरदार फाइट भी करती है और दुश्मनों के दांत खट्टे कर देती हैं।

वर्ल्डवाइड चैनल और सबरंग फिल्म प्रोडक्शंस प्रस्तुत फिल्म 'अक्षरा' के निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव, रत्नाकर कुमार हैं। निर्देशक देव पांडेय हैं। लेखक राकेश त्रिपाठी हैं। इस फ़िल्म में अक्षरा सिंह, अंशुमान मिश्रा, धानी गुप्ता, विनोद मिश्रा, अनुप अरोरा, विनीत विशाल, जे.नीलम, मटरू, बीना पांडेय, शुभकिशन शुक्ला, प्रतिभा साहू, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, सीपी भट्ट, संजीव मिश्रा, अखिलेश शुक्ला, संजू सोलंकी, रिंकी शुक्ला, आर.नरेंद्र, आर्यन विश्वकर्मा, कानू मुखर्जी, सोनू सनम माही, कन्हैया एस.विश्वकर्मा, सौरव चौधरी, सनाया गुप्ता, रितिका सिंह, पप्पू खान, एचआरपी बाबू, चंचल त्रिपाठी और सतीश यादव प्रमुख भूमिका में हैं।

फिल्म अक्षरा के संगीतकार ओम झा और गीतकार प्यारे लाल यादव 'कवि जी', सभा वर्मा, फनिदर राव एवं राकेश निराला हैं। छायाकार जगविंदर सिंह हुंदल (जग्गी पाजी), क्रिएटिव डायरेक्टर कन्हैया एस.विश्वकर्मा और वीएफएक्स फरहान जादा हैं। ईपी राजेश सिरसात एवं अखिलेश राय हैं। स्पेशल थैंक्स महेश उपाध्याय, कला राम बाबू ठाकुर, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और एक्शन प्रदीप खड़का का है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 12-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

विश्व हिंदी दिवस पर पांच विद्वानों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार द्वारा घोषित विश्व हिंदी दिवस का आयोजन 10 जनवरी को तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी और पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, गिल नगर के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्रों ने बहुत सुंदर प्रार्थना और स्वागत गीत गाए, संचालन सुश्री दीक्षा ने किया। आयोजन की अध्यक्षता अकादमी की अध्यक्ष और पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर उत्तर प्रदेश की प्रो डॉ निर्मला एस मौर्य ने की। तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी के सचिव ईश्वर करुण ने तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा पूर्व से विश्व हिंदी दिवस मनाये जाने का उल्लेख करते हुए अकादमी के विभिन्न प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विशेष रूप से पाँच विद्वानों को विश्व हिंदी दिवस समारोह 2025 सम्मान प्रदान किया गया, जिनमें आर कृष्णमूर्ति(जय पब्लिकेशंस) चेन्नै, चंद्र प्रकाश गोयनका (साहित्यकार, कोयंबत्तूर) अनिल कुमार झा (साहित्यकार, देवघर, झारखंड) आलोक जायसवाल (साहित्यकार,चेन्नै) डॉ वी कल्याण रामन,(बहुभाषी विद्वान,चेन्नै) को इस सम्मान से मंचासीन पदाधिकारियों ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर केन्द्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के सुंदर कार्यान्वन के लिए नवीन कुमार झा,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी,आईसीएआर-सिबा तथा श्यामसुंदर कथूरिया,उपनिदेशक, कर्मचारी राज्यबीमा निगम,चेन्नै को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। सामाजिक क्षेत्र में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नै की पदाधिकारी श्रीमती शारदा अग्रवाल को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके साहित्यकार अनिल कुमार झा लिखित और श्वेतवर्णा प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तक 'तुलसी बाबा कब आओगे' का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

कर्नाटक में नक्सलियों के आत्मसमर्पण की नीति पर अन्नामलाई ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी के श्रीपुथिगे मठ में जगद्गुरु श्री माधवाचार्य मूल महा संस्थानम वर्तमान पर्याय स्वामी, श्रीश्रीश्री सुगुनेंद्र तीर्थ स्वामीजी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई। अन्नामलाई ने खुशी जाहिर कि स्वामीजी ने भगवद्गीता की शिक्षाओं को तमिल सहित 8 भाषाओं में प्रसारित किया है और 1 करोड़ लोगों से भगवद्गीता के श्लोक लिखने का प्रयास जारी है।

उडुप्पी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कर्नाटक में नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास की नीति पर चिंता जाहिर करते हुए इसकी प्रभावशीलता और पारदर्शिता पर सवाल उठाया है। अन्नामलाई ने उडुप्पी में शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सवाल उठाए। उन्होंने जनवरी 2015 से अगस्त 2016 के बीच उडुपी में पुलिस अधीक्षक (एसपी) और 2018 में कर्नाटक में नक्सलियों का गढ़ माने जाने वाले चिकमंगलूरु के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के तौर पर कार्य किया था।

अन्नामलाई ने कहा कि नक्सलियों से संबंधित नीति का उद्देश्य नक्सलवाद का राह छोड़ चुके लोगों को मुख्यधारा में पुनः शामिल करना है, लेकिन इसके कार्यान्वयन को लेकर संदेह बना हुआ है। उन्होंने बताया, हाल ही में नक्सलियों द्वारा किए गए आत्मसमर्पण ने कई सवाल खड़े किए हैं। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में होने वाली आत्मसमर्पण की प्रक्रिया नक्सलियों के लिए बहुत आसान बना दी गई है। अन्नामलाई ने आत्मसमर्पण प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया और कहा कि सरकार का दृष्टिकोण नीति की सुचिता पर संदेह पैदा कर सकता है। उन्होंने विक्रम गौड़ा मुठभेड़ का उदाहरण दिया, जिससे स्थानीय लोग चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ऐसी खबरें हैं कि मुख्यमंत्री खुद आत्मसमर्पण प्रक्रिया में शामिल रहे थे और एक सुदूर जंगल वाले स्थान पर हथियारों को दिखाया गया था। जनता के लिए इस कथन पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा है।

अन्नामलाई ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कर्नाटक में नक्सलियों की समस्या से निपटने के तरीके पर बहस जारी है और इसमें नेता तथा कार्यकर्ता आत्मसमर्पण के प्रति सरकार के दृष्टिकोण पर सवाल उठा रहे हैं। अन्नामलाई ने सिटीजन्स फॉर सोशल जस्टिस' द्वारा उडुपी में आयोजित एक कार्यक्रम में विकास कुमार पी द्वारा लिखित पुस्तक 'संविधान बदलयिसिदा यारु?'' (संविधान को किसने बदला) का विमोचन किया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह पुस्तक कांग्रेस शासन के दौरान किए गए कई संशोधनों के बारे में बताती है, जिनका उद्देश्य हमारे नागरिकों के मौलिक अधिकारों, नागरिकों की स्वतंत्रता और यहां तक कि संविधान की प्रस्तावना के अर्थ को भी कमजोर करना था।

चन्द्रप्रभु कॉलेज में 'टाइम्स फ्रेश फेस' में दिखी प्रतिभाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री चंद्रप्रभु जैन कॉलेज की सांस्कृतिक समिति ने 10 जनवरी, को महावीर ऑडिटोरियम में एक अंग्रेजी दैनिक द्वारा 'टाइम्स फ्रेश फेस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं की खोज करना और छात्रों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम की शुरुआत हमारी प्रिंसिपल डॉ. एन. सुजाता के संबोधन से हुई।

मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध सिने हस्ती इरा दयानंद रेड्डी ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जिसमें मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्य और गायन प्रदर्शन शामिल थे, का छात्रों ने भरपूर आनंद लिया। प्रतिभागियों की सराहना की गई और उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पैलेस ग्राउंड पर अच्छे रेस्पांस के साथ शुरु हुआ दो दिवसीय 'अग्रवाल ट्रेड फेयर'

व्यापार, बिक्री व मनोरंजन के माहौल से सजा है ट्रेड फेयर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड ग्रांड कैंसल सभागार में अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा दो दिवसीय अग्रवाल मेगा ट्रेड फेयर का शनिवार को भव्यता के साथ शुभारंभ हुआ। मेले के उदघाटन केन्द्रीय बिक्रीकर जीएसटी के प्रधान मुख्य आयुक्त एवं आबकारी अधिकारी प्रमोदकुमार अग्रवाल, विशेष अतिथि पद्मश्री डॉ एच आर. नागेन्द्र गुरुजी व मुख्य सहयोगी गुरुपुनवानी कम्पनी के प्रतिनिधि सहित अध्यक्ष सुभाष बंसल, मंत्री सतीश गोयल आदि ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलन कर मेले का उदघाटन किया। सभी अतिथियों ने उदघाटन के पश्चात मेले का अवलोकन किया।

इस मौके पर शुभारंभ सत्र में जीएसटी के प्रधान मुख्य आयुक्त एवं आबकारी अधिकारी प्रमोदकुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में शामिल होने पर खुशी जताते हुए कहा कि आज वे यहां अपने अग्रवाल बंधुओं के बीच उपस्थित होकर बहुत खुश है। उन्होंने कहा कि देश की जीएसटी संग्रह में बढ़ोत्तरी हो रही है जिसमें एक बड़ा हिस्सा अग्रवाल समाज के व्यापारियों का है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समुदाय का आजादी से पहले से ही देश विकास में सहयोग रहा है जो कि आज हमें पूरे देश में साफ दिखाई दे रहा है। पद्मश्री डॉ एच आर. नागेन्द्र गुरुजी ने कहा कि अच्छे व्यापार के लिए अच्छा स्वास्थ्य होना जरुरी है। अच्छा स्वास्थ्य व्यक्ति को पूरी ऊर्जा से कार्य करने की शक्ति देता है।

कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए मेले में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों व सहयोगियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि समाज में ट्रेड फेयर के आयोजन से एक अच्छा माहौल है जो कि युवा वर्ग को बहुत आकर्षित कर रहा है। सचिव सतीश गोयल ने ट्रेड फेयर की विस्तार से जानकारी दी और मेले के बारे में बताया। सचिव सतीश गोयल ने बताया कि इस ट्रेड फेयर में मार्बल ग्रेनाइट, स्टील आयरन, सेनेटरीवेयर, कंप्यूटर, हार्डवेयर, गारमेंट्स, ज्वेलर्स, कपड़े, प्लास्टिक आदि उत्पादों के तथा बीटूसी के कुल 250 स्टॉल लगाए गए। पहले दिन ट्रेड फेयर में ग्राहकों की अच्छा रेस्पांस देखने को मिला। ग्राहकों के मनोरंजन के लिए डीवीपी ग्रुप के कलाकारों ने संगीत की प्रस्तुति भी दी।

इस मौके पर उपाध्यक्ष संजय जालान व ललित गुप्ता, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, युवा अध्यक्ष रोहित केडिया, महिला सचिव सुनीति अग्रवाल सहित विपिनराम अग्रवाल, मदनलाल अग्रवाल, चन्द्रप्रकाश रामसिसरिया जीतो नार्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया सहित बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के सदस्य उपस्थित थे। अग्रवाल समाज की मुख्य, युवा संघ व महिला मंडल की टीम सहित युवा राघव गोयल, नरेश गुप्ता, करण बिंदल, गणेश मित्तल, कुणाल गोयल आदि ने ने ट्रेड फेयर की व्यवस्था संभाली।

गीता महोत्सव प्रतियोगिता सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी फेडरेशन कोलकाता की शाखा तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन-चेन्नई द्वारा वैकुंठ एकादशी पर्व के दिन गीता महोत्सव उल्लास पूर्वक मनाया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमद् भागवत गीता विद्वान लक्ष्मी प्रेमा द्वारा उद्घाटित गीता महोत्सव में अध्यक्ष अशोक केडिया ने अपने संबोधन द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों, प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जयकांत मंडल ने इस महोत्सव की शोभा बढ़ाई। महामंत्री मोहनलाल बजाज ने सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी।

प्रोजेक्ट चेयरमैन ब्रज खंडेलवाल व अशोककुमार मूंधड़ा ने महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन व उनके विजेताओं को पुरस्कारों की जानकारी दी। मुख्यअतिथि व जूरी सदस्यों को सम्मानित किया गया। सभी विजेताओं को प्रशस्ति पत्र, नगद इनाम के साथ गीता प्रेस की पुस्तकें भी वितरित की गईं।

सम्मेलन के इस आयोजन की फ़ैंसी ड्रेस व गीता के श्लोक पठन प्रतियोगिताओं में क़रीब 90 से अधिक स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस महोत्सव मे पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, उपाध्यक्ष मुरारी लाल सौंथलिया एवं अशोक लखोटिया, कृष्ण कुमार नथानी,सुदर्शन रुंगटा,रामावतार रुंगटा, गोपाल अग्रवाल, अनुराग माहेश्वरी व अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

मंच का संचालन संजीव अग्रवाल ने किया। रविन्द्र गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापित किया।

पोंगल पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शनिवार को जेटीसी जैन मिशन ग्रुप ऑफ स्कूल के प्रांगण में बड़े धूमधाम के साथ पोंगल मनाया गया। पत्राचारक गौतम कुमार जैन, सचिव जसराज सिंघवी, सहसचिव प्रदीप जैन, कोषाध्यक्ष झूमरलाल जैन तथा सदस्य कान्तिलाल ओटमल ने कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यार्थियों के साथ समस्त शिक्षकों ने भी उत्साह से पोंगल उत्सव में भाग लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.